http://amritkalashtimes.com

अमृत कलश टाइम्स

वर्ष : 18
अंक : 24

प्रयागराज मंगलवार 08 अक्टूबर 2024

पृष्ठः– 4, मूल्यः– एक रूपया

दलित के किचन में पहुंचे राहुल गांधी

● राहुल ने दलित परिवार के साथ बनाया खाना, वीडियो साझा कर बोले– हम उस संविधान की रक्षा करेंगे

मुंबई,(एजेंसी)। राहुल गांधी ने कहा कि कांग्रेस उस संविधान की रक्षा करेगी, जो बहुजनों को उनका अधिकार देता है। साथ ही कहा कि मगर समाज में सभी का सच्चा समावेश और बराबरी तभी संभव होगी, जब हर भारतीय अपने दिलों में भाईचारे की भावना के साथ कोशिश करेगा। कांग्रेस सांसद और विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सोमवार को एक वीडियो साझा किया। इसमें वह दलित समुदाय से ताल्लुक रखने वाले अजय तुकाराम सनाडे और उनकी पत्नी अंजना तुकाराम सनाडे के साथ भोजन बनाते हुए दिखे। उन्हें दंपती के साथ पारंपरिक व्यंजन बनाते और श्दलित व्यंजनोंश के बारे में अधिक सीखते हुए दिखाया गया है। गांधी ने सोमवार को कहा कि कांग्रेस उस संविधान की रक्षा करेगी, जो बहुजनों को उनका अधिकार देता है। साथ ही कहा कि मगर समाज में सभी का सच्चा समावेश और बराबरी तभी संभव होगी, जब हर भारतीय अपने दिलों में भाईचारे की भावना के साथ कोशिश करेगा। आज बहुत कम लोग जानते हैं... कांग्रेस नेता ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर कहा, श्दलित किचन के बारे में आज भी बहुत कम लोग जानते हैं। जैसा शाहू पटोले जी ने कहा कि दलित क्या खाते हैं, कोई नहीं जानता। वो क्या खाते हैं, कैसे पकाते हैं और इसका सामाजिक और राजनीतिक महत्व क्या है, इस जिज्ञासा के साथ, मैंने अजय तुकाराम सनाडे और अंजना तुकाराम सनाडे के साथ एक दोपहर बिताई। क्या कुछ बनाया कांग्रेस सांसद ने? विपक्ष के नेता ने आगे कहा, श्उन्होंने महाराष्ट्र के कोल्हापुर में मुझे अपने घर सम्मान के साथ बुलाकर रसोई में हाथ बंटाने का मौका दिया। हमने मिलकर चने के साग की सब्जी श्हरभऱ्याची भाजीश और बैंगन के साथ तुवर दाल बनाई। पटोले जी और सनदे परिवार के जाति और भेदभाव के निजी अनुभवों पर बात करते हुए, हमने दलित खानपान के प्रति जागरूकता की कमी और इस संस्कृति के दस्तीकरण के महत्व पर चर्चा की।

मालदीव की तारीफ में बोले पीएम मोदी, मुइज्जू ने भी दिया आने का न्यौता

हमारे संबंध सदियों पुराने हैं

● मालदीव में RuPay कार्ड से भुगतान की शुरुआत, पीएम मोदी बोले– यूपीआई से भी जुड़ेंगे दोनों देश

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। मालदीव के राष्ट्रपति मोहम्मद मुइज्जू ने आज भारत में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ एक महत्वपूर्ण द्विपक्षीय मुलाकात की। इस मौके पर उन्होंने वर्चुअल माध्यम से मालदीव के हनीमाधू अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के रनवे का उद्घाटन भी किया। मुलाकात के दौरान मुइज्जू ने पीएम मोदी को मालदीव आने का निमंत्रण भी दिया। संयुक्त बयान में महत्वपूर्ण बातें बैठक के बाद दोनों नेताओं ने हैदराबाद हाउस में एक संयुक्त बयान जारी किया। पीएम मोदी ने कहा कि भारत और मालदीव के संबंध सदियों पुराने हैं और भारत, मालदीव का सबसे करीबी पड़ोसी और मित्र देश है। प्रधानमंत्री मोदी ने बताया कि दोनों देशों ने आपसी सहयोग को एक नई रणनीतिक दिशा देने के लिए ष्कॉम्प्रिहेंसिव इकोनॉमिक और मैरीटाइम सिक्योरिटी पार्टनरशिपष का विजन अपनाया है। उन्होंने कहा, ष्डेवलपमेंट पार्टनरशिप हमारे संबंधों का एक अहम पहलू है, जिसमें हमेशा मालदीव के लोगों के हितों को प्राथमिकता दी गई है।ष 400 मिलियन डॉलर की मुद्रा विनियम डील इस अवसर पर पीएम मोदी ने बताया कि भारत और मालदीव के बीच 400 मिलियन अमेरिकी डॉलर की मुद्रा विनिमय डील पर हस्ताक्षर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि भारत और मालदीव अब मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत शुरू करेंगे। उन्होंने यह भी बताया कि भारत के सहयोग से मालदीव में 700 से अधिक सामाजिक आवास यूनिट्स का निर्माण किया गया है और 28 द्वीपों पर पानी और सीवरेज प्रोजेक्ट पूरे किए गए हैं, जो 30,000 लोगों को साफ पानी उपलब्ध कराएंगे। भारत की सहायता का जिक्रपीएम मोदी ने यह भी कहा, ष्हमारी 'Neighbourhood First' नीति और श्सागरश दृष्टिकोण में मालदीव का एक महत्वपूर्ण स्थान है। भारत ने हमेशा मालदीव के लिए First Responder की भूमिका निभाई है। चाहे वो आवश्यक वस्तुओं की जरूरत हो, प्राकृतिक आपदा के समय मदद करना हो, या कोविड–19 के समय वैक्सीन उपलब्ध कराना हो, भारत ने अपने पड़ोसी होने की जिम्मेदारी हमेशा निभाई है।ष उन्होंने कहा कि रक्षा और सुरक्षा सहयोग पर भी विस्तृत चर्चा हुई है।

दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ में 6556 स्पेशल ट्रेनें चलाई जाएगी।

नईदिल्ली (इंद्र प्रस्थ)। दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पूजा के दौरान यात्रियों की सुगम आवाजाही के लिए भारतीय रेल द्वारा इस वर्ष 6556 स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाएगा। इन स्पेशल ट्रेनों का संचालन 1 अक्टूबर से 30 नवंबर के बीच किया जाएगा। रेलवे अधिकारी के मुताबिक हर साल त्योहारों के अवसर पर रेलवे द्वारा स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जाता है। इस वर्ष इन स्पेशल ट्रेनों की संख्या में भारी बढ़ोतरी की गई है। गौरतलब है कि दुर्गा पूजा, दिवाली और छठ पर्वों के दौरान लाखों की संख्या में यात्री सफर करते हैं। यात्रियों की भारी भीड़ को सुगम एवं आरामदायक यात्रा प्रदान करने के लिए रेलवे द्वारा इस वर्ष भी विशेष ट्रेनों का संचालन करने की तैयारी की गई है। दो महीने की अवधि के दौरान ये स्पेशल ट्रेनें 6556 फेरे लगाएंगी और बड़ी तादाद में यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने का काम करेंगी। पिछले वर्ष भी भारतीय रेल द्वारा बड़ी संख्या में त्योहार स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया गया था और इन ट्रेनों ने कुल 4,429 फेरे लगाए थे, जिनके माध्यम से लाखों की संख्या में यात्रियों को आरामदायक यात्रा की सुविधा प्राप्त हुई थी। जाहिर है कि हर साल दुर्गा पूजा, दीपावली और छठ पूजा के अवसर पर देश भर से बड़ी संख्या में लोग उत्तर प्रदेश और बिहार की ओर प्रस्थान करते हैं। उत्तर प्रदेश और बिहार के लोगों के लिए ये त्योहार न केवल धार्मिक महत्व रखते हैं, बल्कि परिवारों से मिलने का भी एक अहम अवसर होते हैं। हर साल त्योहारों के दौरान यात्रियों की भीड़ की वजह से अधिकांश ट्रेनों में दो–तीन महीने पहले से ही टिकट वेटिंग लिस्ट में चली जाती हैं। इसी को देखते हुए रेलवे द्वारा इस वर्ष भी त्योहारों के अवसर पर स्पेशल ट्रेनों का संचालन किया जा रहा है।

‘दुस्साहस किया तो चुकानी होगी कीमत’

● अराजक तत्वों को सीएम योगी की सख्त चेतावनी, कहा– विरोध के नाम पर अराजकता बदार्शत नहीं

लखनऊ,(एजेंसी)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि किसी भी जाति, मत–मजहब अथवा संप्रदाय, उनके ईष्ट देवी–देवता, महापुरुषों अथवा साधु–संतों के विरुद्ध अपमानजनक टिप्पणी अस्वीकार्य है, लेकिन विरोध के नाम पर अराजकता भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। त्योहारों के दृष्टिगत सोमवार को मुख्य सचिव, पुलिस महानिदेशक, अपर मुख्य सचिव गृह, एवं अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ कानून व्यवस्था की समीक्षा करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि हर मत, संप्रदाय की आस्था का सम्मान होना चाहिए। सभी मत, मजहब, सम्प्रदाय के लोगों को एक–दूसरे का सम्मान करना होगा उन्होंने कहा कि महापुरुषों के प्रति प्रत्येक नागरिक के मन में कृतज्ञता का भाव होना चाहिए, लेकिन इसके लिए किसी को बाध्य नहीं किया सकता और जबरन किसी पर कुछ थोपा भी नहीं जा सकता। एक बयान के मुताबिक, मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अगर आस्था के साथ खिलवाड़ करेगा, महापुरुषों, देवी–देवता, संप्रदाय आदि के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करेगा, तो उस पर कानून के अनुसार, कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा ‘‘लेकिन सभी मत, मजहब, सम्प्रदाय के लोगों को एक–दूसरे का सम्मान करना होगा। विरोध के नाम पर अराजकता, तोड़–फोड़ तो होगी कार्रवाई विरोध के नाम पर अराजकता, तोड़–फोड़ अथवा आगजनी स्वीकार नहीं है, और जो कोई ऐसा दुस्साहस करेगा, उसे उसकी कीमत चुकानी होगी। मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए कि शारदीय नवरात्रि एवं विजयदशमी का पर्व हर्षोल्लास हर्ष उल्लास शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हो, यह प्रत्येक जनपद–प्रत्येक थाना को सुनिश्चित करना होगा। उन्होंने प्रशासन को कानून के विरुद्ध कार्य करने वालों के साथ सख्ती से निपटने का निर्देश दिया। महिला सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश देते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि भीड़भाड़ वाले इलाकों में गश्त तेज की जाए। उन्होंने कहा कि महिलाओं–बेटियों की सुरक्षा व सुविधा सुनिश्चित करने के लिए सभी विभाग मिलकर काम करें। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोई भी व्यक्ति अगर आस्था के साथ खिलवाड़ करेगा, महापुरुषों, देवी–देवता, संप्रदाय आदि की आस्था के खिलाफ अभद्र टिप्पणी करेगा, तो उसे कानून के दायरे में लाकर कठोरता पूर्वक सजा दिलवाई जाएगी, लेकिन सभी मत, मजहब, सम्प्रदाय के लोगों को एक–दूसरे का सम्मान करना होगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि विरोध के नाम पर अराजकता, तोड़–फोड़ अथवा आगजनी स्वीकार नहीं है, जो कोई ऐसा दुस्साहस करेगा, उसे उसकी कीमत चुकानी होगी। मुख्यमंत्री ने पुलिस प्रशासन को निर्देश दिए कि शारदीय नवरात्रि विजयदशमी का पर्व हर्षोल्लास, शांति और सौहार्दपूर्ण माहौल के बीच संपन्न हो।

तेलंगाना सरकार ने किसानों को ऋण माफी का पूरा किया वादा: मुख्यमंत्री

हैदराबाद,(एजेंसी)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को सूचित किया है कि उनकी सरकार ने राज्य में किसानों का कर्ज माफ करने की अपनी प्रतिबद्धता को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। मुख्यमंत्री ने रविवार रात प्रधानमंत्री को संबोधित एक पत्र में कहा कि 27 दिनों की अवधि के भीतर, तेलंगाना सरकार ने 17 हजार 869 करोड़ रुपये का ऋण माफ कर दिया है, जिससे 22.22 लाख किसानों को लाभ हुआ है। एक बयान में कहा गया कि मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि ऋण माफी के वादे के साथ तेलंगाना में सत्ता में आई

कांग्रेस अपनी बात पर खरी उतरी है। ऋण माफी को चरणों में क्रियान्वित किया गया है, सरकार ने 18 जुलाई, 2024 को 1 लाख रुपये तक के ऋण वाले 11,34,412 किसानों के खातों में 6,034.97 करोड़ रुपये हस्तांतरित किए। इसके बाद, 30 जुलाई को 6,40,823 किसानों के ऋण खातों में 6,190.01 करोड़ रुपये जमा किए गए, इसके बाद 15 अगस्त को 5,644. 24 करोड़ रुपये की एक और किश्त 4,46,832 किसानों तक पहुंची।

हिताची एनर्जी करेगी 2000 करोड़ का निवेश

नयी दिल्ली,(एजेंसी)। हिताची एनर्जी ने भारतीय कारोबार के 75 साल पूरे होने के अवसर पर देश में स्थायी ऊर्जा भविष्य को बढ़ावा देने के लिए अपनी क्षमता, प्रोडक्ट रेंज और टैलेंट बेस को विस्तार करने पर लगभग 2000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। पिछले 75 सालों में भारत की कई महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं में योगदान देते हुए हिंदुस्तान इलेक्ट्रिक से लेकर हिंदुस्तान ब्राउन बॉवेरी, एबीबी पावर ग्रिड्स, हिताची एबीबी पावर ग्रिड्स और अब हिताची एनर्जी बनने तक, इस कंपनी ने 1949 से देश के ऊर्जा क्षेत्र के विकास में अहम भूमिका निभाई है। अपनी इस उपलब्धि का जश्न मनाने के लिए, कंपनी ष्एनर्जी एंड डिजिटल वर्ल्ड 75ष नाम से सोमवार से दो दिन का टेक्नोलॉजी इवेंट आयोजित किया है। इसमें भारत के नेट–जीरो लक्ष्य की ओर बढ़ने में मदद करने वाली नई तकनीकों पर चर्चा की जा रही है। इस कार्यक्रम का उद्घाटन भारत के जी20 शेरपा अमिताभ कांत, हिताची एनर्जी के ग्लोबल सीईओ एंड्रियास शियरेनबेक और हिताची एनर्जी इंडिया के प्रबंध निदेशक और सीईओ एन वेणु ने किया। इस अवसर पर श्री वेणु ने कहा कि इस खास साल को यादगार बनाने के लिए, हिताची एनर्जी इंडिया लिमिटेड अगले चार से पांच सालों में लगभग 2000 करोड़ रुपये का निवेश करने की योजना बना रही है। यह निवेश भारत के दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की संभावनाओं को ध्यान में रखकर किया जा रहा है। उन्होंने कहा ष्नई तकनीक और समाधानों के जरिए, हम आने वाली पीढ़ियों के लिए एक बेहतर दुनिया बनाने की कोशिश कर रहे हैं। इस निवेश का उद्देश्य भारत की भविष्य की ऊर्जा जरूरतों को पूरा करना है और हम स्थानीय व वैश्विक बाजारों के ग्राहकों और साझेदारों के साथ मिलकर इस दिशा में तेजी से काम कर रहे हैं। इसमें डिजिटलीकरण और लंबी अवधि की साझेदारी पर जोर दिया जाएगा। यह मेक इन इंडिया के हमारे लक्ष्य को और मजबूत करता है, जिससे भारत और दुनिया दोनों को फायदा होगा।ष हिताची एनर्जी के ग्लोबल सीईओ एंड्रियास शियरेनबेक ने कहा, ष्ऊर्जा की चुनौती एक कंपनी, टीम या व्यक्ति से कहीं बड़ी है। जैसे–जैसे विद्युतीकरण बढ़ रहा है और रिन्यूएबल एनर्जी का इस्तेमाल बढ़ रहा है, पावर ग्रिड की क्षमता और जटिलता भी बढ़ रही है। हमारा ध्यान पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा के भविष्य पर है। भारत इस मिशन में हमारे लिए बहुत अहम बाजार है। हम पिछले 75 सालों से भारत में लगातार निवेश कर रहे हैं। नए निवेश से हमारी क्षमता, टैलेंट और सप्लाई चेन मजबूत होंगी और 2030 की रणनीति के अनुसार, डिजिटलीकरण के जरिए हमारे काम को और बेहतर किया जाएगा।

हेमा ने दुनिया में भारत का मान बढ़ाया: बिरला

मथुरा,(एजेंसी)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि सांसद और सिने तारिका हेमामालिनी ने अपनी अनूठी नृत्य शैली के जरिये दुनिया में भारतीय लोकसंस्कृति को नया आयाम दिया है। पांचजन्य आडिटोरियम में हेमामालिनी द्वारा दुर्गा नृत्य नाटिका के जीवंत प्रस्तुतीकरण से प्रभावित

होकर ओम बिरला ने कहा " भरतनाट्यम से प्रारंभ कर हेमा ने सिने जगत में अपनी अनूठी प्रस्तुति देकर भारत का नाम विश्व पटल पर रोशन किया है। हेममामालिनी ने आज अपनी नृत्य नाटिका में शिव पार्वती और दुर्गा के विभिन्न जनकल्याणकारी स्वरूपों को प्रस्तुत किया। मां दुर्गा जहां अपने भक्तों को संरक्षण देती है वही दुष्टों का वे संहार करती हैं तथा वे अभिमान और अत्याचार को भी बर्दास्त नही करतीं। '' उन्होने कहा " लगातार तीसरी बार बनी मथुरा की सांसद हेमामालिनी ने संसद के माध्यम से मथुरा की समस्याओं को सरकार तक पहुंचाया। वे यहां के विकास, यहां की संस्कृति को संरक्षित रखने के लिए और यहां के पर्यावरण को बचाने के लिए संसद के अंदर और संसद के बाहर प्रयत्नशील रहती हैं।

उन्होने वृन्दावन के बंदरों द्वारा चश्मा छीनने तक की घटना का भी जिक्र संसद में किया है। "

नक्सल प्रभावित राज्यों को छत्तीसगढ़ के सफल ऑपरेशन की रणनीति अपनानी चाहिए: शाह

रायपुर/नयी दिल्ली,(एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को देश के नक्सल प्रभावित राज्यों को छत्तीसगढ़ में हाल में हुए सफल ऑपरेशन की रणनीति अपनाने की अपील की। श्री शाह ने देश के नक्सल प्रभावित राज्यों में जारी नक्सलवाद के खिलाफ चल रहे अभियानों पर नयी दिल्ली के विज्ञान भवन में आयोजित एक अहम बैठक में यह बात कही।उन्होंने राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया कि वे भी छत्तीसगढ़ की खुफिया तकनीकी और आपसी समन्वय के आधार पर अपने अपने राज्यों में ऑपरेशन को अंजाम दे सकते हैं। उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ सहित अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए पूरा समर्थन देगी। इस बैठक की अध्यक्षता श्री शाह ने की, जिसमें छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय और अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों के मुख्यमंत्रियों ने हिस्सा लिया। इस महत्वपूर्ण बैठक का केंद्र बिंदु छत्तीसगढ़ का हाल ही में सफलतापूर्वक संपन्न हुआ नक्सल विरोधी ऑपरेशन था, जिसमें राज्य की पुलिस ने 31 नक्सलियों को ढेर किया। इस ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ पुलिस की कुशल रणनीति और राज्य सरकार की योजनाओं की सफलता पर विशेष चर्चा की गई। श्री अमित शाह ने इस ऑपरेशन में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री साय और उनकी टीम के प्रयासों की प्रशंसा की। उन्होंने कहा कि इस वर्ष जनवरी से लेकर अब तक छत्तीसगढ़ के सुरक्षा बलों ने लगभग 194 नक्सलियों को मुठभेड़ में मार गिराए हैं। वहीं 801 नक्सली गिरफ्तार हुए एवं 742 नक्सलियों ने आत्म समर्पण किया है। उन्होंने कहा आज भी जो युवा नक्सलवाद में लिप्त है उनसे आग्रह है कि हथियार छोड़ कर मुख्य धारा से जुड़े। सभी राज्यों ने आपके पुनर्वास के लिए बेहतर योजनाएं बनाई हैं उसका फायदा लीजिए। श्री शाह ने छत्तीसगढ़ में हुए सफल ऑपरेशन की तारीफ करते हुए अन्य राज्यों के मुख्यमंत्रियों से आग्रह किया कि वे भी छत्तीसगढ़ की खुफिया तकनीकी और आपसी समन्वय के आधार पर अपने अपने राज्यों में ऑपरेशन को अंजाम दे सकते हैं।

उन्होंने यह भी कहा कि केंद्र सरकार छत्तीसगढ़ सहित अन्य नक्सल प्रभावित राज्यों को हर संभव सहायता देने के लिए प्रतिबद्ध है और राज्य में विकास कार्यों में तेजी लाने के लिए पूरा समर्थन देगी। श्री साय ने बैठक में नक्सल ऑपरेशन की विस्तृत जानकारी दी।

उन्होंने बताया कि कैसे राज्य पुलिस और खुफिया एजेंसियों ने महीनों की मेहनत और प्लानिंग के बाद इस ऑपरेशन को अंजाम दिया। ऑपरेशन में करीब 1000 जवान शामिल थे।

चिंता का सबब

उत्तराखंड में चार धाम यात्रा में पिछले साल की तुलना में दोगुने यात्री पहुंच रहे हैं। यह वाकई हर किसी के लिए चिंता का सबब है। बेतहाशा बढ़ती भीड़ और अव्यवस्था के चलते बारह यात्रियों की मौत हो चुकी है।मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी चुनावी रैली छोड़ कर देहरादून पहुंचे। बैठक लेकर उन्होंने निर्देश दिया कि 31मई तक सभी वीआईपी दर्शन पर रोक रहेगी। यात्रा मार्गों पर भीषण जाम है, तीर्थयात्री घंटों–घंटों उनमें फंसे हैं। कुछ की तबीयत बहुत बिगड़ गयी।

कुछ श्रद्धालुओं को आधे रास्ते से ही वापस लौटना पड़ा। जबरदस्त भीड़ को देखते हुए पंजीकरण दो दिन के लिए रोके जा चुके हैं। यह सच है कि वीआईपी कल्चर के चलते होने वाली व्यवस्थागत गड़बडियों को नजरंदाज किया जाता है। खासकर इस तरह के बड़े तीर्थस्थानों तथा धार्मिक स्थलों में खास लोगों के लिए की जाने वाली व्यवस्था में पुलिस व सुरक्षा बलों की बड़ी संख्या जुटती है। ऐसे में आम नागरिक की तरफ से ध्यान हट जाता है।खुद को अलग और विशेष मानने वाला बड़ा वर्ग है अपने यहां, जो अपनी समृद्धि और ताकत का प्रयोग कर अपनी विशिष्टता दर्शाने में संकोच नहीं करता। निरूसंदेह खास लोगों की आस्था का भी ख्याल रखा जाना जरूरी है। मगर यह आम आदमी की असुविधा या अपमान के साथ न किया जाए।

यह कहना अतिश्योक्ति होगा कि लोगों की आस्था का विस्तार तेजी से हो रहा है। अब लगभग सभी बड़े व प्रसिद्ध तीर्थस्थलों में बेतहाशा भीड़ लगने लगी है। रही बात पंजीकरण की तो अभी भी देश में ऐसा तबका है, जिसे नियमोंध पाबंदियों के विषय में जानकारी नहीं मिल पाती।उनके पास इतना धन भी नहीं होता कि वे एकाध दिन कहीं रुक कर इंतजार कर सकें। दो सौ मीटर के दायरे में फोन के प्रयोग जैसी पाबंदी श्रद्धालुओं के लिए बड़ी समस्या साबित हो सकती है। तस्वीरें निकालने या रील बनाने वालों से निपटने के और रास्ते खोजने की जरूरत है।

नियमों व पाबंदियों की आड़ में आस्था पर प्रहार से बचने के प्रयास होने चाहिए। चार धाम जैसी यात्रा करने वाले वर्षो से इसकी तैयारी करते हैं, तब निकलते हैं। वे आम भक्त हों या खास, उनकी भावनाओं की अनदेखी करने को कतई उचित नहीं कहा जा सकता।

महंगाई से लड़ने की कोशिश

सतीश सिंह

महंगाई और विकास के बीच संतुलन साधने के लिए मौद्रिक नीति समिति ने अपनी समीक्षा में रेपो दर को 6.5 प्रतिशत के दर पर यथावत रखा है। इसके पहले फरवरी, 2023 में इसमें बढ़ोतरी की गई थी। भारतीय रिजर्व बैंक मुख्य तौर पर रेपो दर में बढ़ोतरी करके महंगाई से लड़ने की कोशिश करता है।

जब रेपो दर अधिक होता है तो बैंकों को रिजर्व बैंक से महंगी दर पर कर्ज मिलता है, जिसके कारण बैंक भी ग्राहकों को महंगी दर पर कर्ज देते हैं। ऐसा करने से अर्थव्यवस्था में मुद्रा की तरलता कम हो जाती है और लोगों की जेब में पैसे न होने की वजह से वस्तुओं की मांग में कमी आती है और वस्तुओं व उत्पादों की कीमत अधिक होने के कारण इनकी बिक्री में कमी आती है, जिससे महंगाई में गिरावट दर्ज की जाती है। इसी तरह अर्थव्यवस्था में नरमी रहने पर विकासात्मक कायरे में तेजी लाने के लिए बाजार में मुद्रा की तरलता बढ़ाने की कोशिश की जाती है और इसके लिए भी रेपो दर में कटौती की जाती है, ताकि बैंकों को रिजर्व बैंक से सस्ती दर पर कर्ज मिले और सस्ती दर पर कर्ज मिलने के बाद बैंक भी ग्राहकों को सस्ती दर पर कर्ज दें।

मौजूदा समय में महंगाई दर सरकार और रिजर्व बैंक के लिए चिंता का सबब है। केयर एज रेटिंग के अनुसार कर्ज दर के नरम नहीं होने के बावजूद वित्त वर्ष 2023–24 में ऋण वृद्धि दर 16 प्रतिशत के आसपास रही है, और वित्त वर्ष 2024–25 में इसके 14 से 14.5 प्रतिशत के बीच रहने का अनुमान है। ऐसी स्थिति भारतीय अर्थव्यवस्था के लिए बेहद सकारात्मक है। हालांकि, इसे अपवाद वाली स्थिति कहा जा सकता है। बहरहाल, कर्ज देने की रफ्तार में तेजी बनी रहने के कारण आर्थिक गतिविधियों और विकास दर, दोनों में तेजी आ रही है।

इसी वजह से रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2025 के लिए अपने विकास अनुमान को 7.00 प्रतिशत से बढ़ाकर 7.2 प्रतिशत कर दिया है। वित्त वर्ष 2023–2024 की चौथी तिमाही में जीडीपी वृद्धि दर 7.8 रही जबकि पिछले साल की समान तिमाही में 6.1 प्रतिशत रही थी। वहीं, वित्त वर्ष 2023–24 में जीडीपी वृद्धि दर 8.2 प्रतिशत रही जो रिजर्व बैंक के अनुमान से 1.2 प्रतिशत अधिक है यानी रिजर्व बैंक ने वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान जीडीपी वृद्धि दर का अनुमान 7 प्रतिशत लगाया था। पिछले वित्त वर्ष में जीडीपी वृद्धि दर 7 प्रतिशत रही थी। सांख्यिकी मंत्रालय के अनुसार विनिर्माण और खनन के क्षेत्र में मजबूत प्रदर्शन से आलोच्य अवधि में विकास दर तेज रही। विनिर्माण क्षेत्र में 9.9 प्रतिशत की बढ़ोतरी हुई है, जो वित्त वर्ष 2022–23 में माइनस 2.2 प्रतिशत रही थी। खनन क्षेत्र में वित्त वर्ष 2023–24 के दौरान 7.1 प्रतिशत की दर से वृद्धि हुई, जो वित्त वर्ष 2022–23 में 1.9 प्रतिशत रही थी। उल्लेखनीय है कि विनिर्माण क्षेत्र रोजगार सृजन में महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाता है। खुदरा महंगाई अभी भी चिंता की बात है।

मई महीने में थोक महंगाई बढ़कर 15 महीनों के ऊपरी स्तर 2.61 प्रतिशत के स्तर पर पहुंच गई जबकि फरवरी, 2023 में यह 3.85 रही थी। वहीं, अप्रैल 2024 में यह 1.26 प्रतिशत रही जो 13 महीने का उच्चतम स्तर था। मार्च, 2024 में यह 0.53 रही और फरवरी महीने में 0.20 प्रतिशत।

राष्ट्रीय सांख्यिकी कार्यालय ने 12 जून, 2024 को खुदरा महंगाई का आंकड़ा जारी किया था, जिसके अनुसार मई महीने में खुदरा महंगाई 4.75 प्रतिशत रही जो 12 महीने का निचला स्तर था। अप्रैल महीने में खुदरा महंगाई में कुछ कमी आई थी, लेकिन वह मई महीने से थोड़ी अधिक 4. 83 प्रतिशत के स्तर पर थी। जून, 2023 में खुदरा महंगाई 4.81 प्रतिशत थी जबकि जुलाई, 2023 में यह 4.44 प्रतिशत रही थी। महंगाई का सीधा संबंध पर्चेजिंग पावर या खरीदने की क्षमता से है। उदाहरण के लिए यदि महंगाई दर 6 प्रतिशत है, तो अर्जित किए गए 100 रुपये का मूल्य सिर्फ 94 रुपये होगा।

इसलिए महंगाई के स्तर के अनुरूप निवेशकों को निवेश करना चाहिए अन्यथा उन्हें प्रतिफल कम मिलेगा। महंगाई का बढ़ना–घटना उत्पाद की मांग–आपूर्ति पर निर्भर करता है। अगर लोगों के पास पैसे ज्यादा होंगे तो ज्यादा उत्पाद खरीदेंगे और ज्यादा उत्पाद खरीदने से मांग बढ़ेगी और मांग के मुताबिक आपूर्ति नहीं होने पर उत्पादों की कीमत बढ़ेगी। इस तरह, बाजार महंगाई के दुष्चक्र में फंस जाएगा। बाजार में पैसों का अत्यधिक बहाव या उत्पाद की कमी महंगाई का कारण बनता है। वहीं, अगर मांग कम होगी और आपूर्ति ज्यादा होगी तो महंगाई कम होगी। ग्राहक खुदरा बाजार से सामान खरीदते हैं और बाजार में मौजूद उत्पादों की कीमत में हुए बदलाव को मापने का काम उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) करता है।

उत्पाद और सेवाओं के लिए जो औसत मूल्य चुकाया जाता है, सीपीआई उसी को मापता है। कच्चे तेल, उत्पादों की कीमतों, निर्माण की लागत के अलावा कई अन्य चीजें भी होती हैं, जो खुदरा महंगाई दर को तय करने में अहम भूमिका निभाती हैं। वर्तमान में लगभग 300 उत्पाद ऐसे हैं, जिनकी कीमतों के आधार पर खुदरा महंगाई दर तय होती है। इस तरह, किसी की क्रय शक्ति को निर्धारित करने में मुद्रास्फीति महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाती है। मुद्रास्फीति बढ़ने पर वस्तु एवं सेवा, दोनों की कीमतों में इजाफा होता है, जिससे व्यक्ति की खरीददारी क्षमता कम हो जाती है, और वस्तुओं एवं सेवाओं की मांग कम होती है। फिर, उनकी बिक्री कम हो जाती है, उनके उत्पादन में कमी आती है, कंपनी को घाटा होता है, कामगारों की छंटनी होती है, रोजगार सृजन में कमी आती है, आदि। इससे आर्थिक गतिविधियां धीमी पड़ जाती हैं, और विकास की गति बाधित होती है।

विगत कुछ महीनों से उधारी ब्याज दर के उच्च स्तर पर बने रहने के बावजूद ऋण वितरण में तेजी है और विकास दर की रफ्तार भी तेज बनी हुई है। वैसे, ऐसी स्थिति अपवाद वाली है। एचएसबीसी इंडिया का पीएमआई आंकड़ा मई, 2024 में 57.5 प्वॉइंट रहा, जो अप्रैल, महीने में 58.8 प्वॉइंट था, वहीं, कंपोजिट पीएमआई मई, 2024 में 60.50 प्वॉइंट था, जो अप्रैल 2024 में 61.50 प्वॉइंट रहा था। आंकड़ों से साफ है कि आर्थिक गतिविधियों में तेजी बनी हुई है। भारत में मुद्रास्फीति केंद्रीय बैंक द्वारा तय की गई सहनशीलता सीमा के अंदर रहने के बावजूद चिंताजनक स्तर पर है। इसलिए, भारतीय रिजर्व बैंक द्वारा मौद्रिक समीक्षा में नीतिगत दरों को यथावत रखा गया है। मंहगाई को लेकर केंद्रीय बैंक बहुत ज्यादा संवेदनशील है, और यह महंगाई और विकास दर के बीच संतुलन बनाकर अर्थव्यवस्था को मजबूत रखना चाहता है, ताकि आम आदमी को परेशानी भी नहीं हो और विकास की रफ्तार भी तेज बनी रहे।

सरकार की नीतियों और कामकाज का उल्लेख

भारत के संसदीय लोकतंत्र में राष्ट्रपति के अभिभाषण की परंपरा वर्षों पुरानी है। संवैधानिक प्रावधानों के मुताबिक, लोक सभा के प्रत्येक आम चुनाव के बाद, पहले सत्र में सदस्यों के शपथ ग्रहण करने और सदन का अध्यक्ष निर्वाचित होने के बाद राष्ट्रपति दोनों सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करता है।

यह अभिभाषण सरकार का नीति वक्तव्य होता है। इसमें सरकार की नीतियों और कामकाज का उल्लेख रहता है, इसलिए सरकार के द्वारा ही इसके मसौदे को तैयार किया जाता है। परंपरा तो यह रही है कि इस सबसे गरिमापूर्ण औपचारिक कार्यवाही के दौरान विपक्ष शांतिपूर्ण ढंग से इसे सुनता है।

अभिभाषण के बाद जब सदन में धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा होती है तो विपक्षी सांसदों को अपनी आपत्तियों और असहमतियों को दर्ज कराने का अवसर मिलता है लेकिन देखा जा रहा है कि कुछ वर्षो से राष्ट्रपति के अभिभाषण के दौरान विपक्षी दलों के सांसद सदन में शोरगुल करते हैं और हंगामा बरपाते हैं।

अठारहवीं लोक सभा में जब राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने दोनों सदनों को संबोधित करते हुए मोदी सरकार के पिछले दस वर्षो के कामकाज और उपलब्धियों का जिक्र किया तो विपक्षी दलों के सांसदों ने सदन में शोरगुल मचाना शुरू कर दिया। राष्ट्रपति को निवेदन करना पड़ा कि वे शांतिपूर्ण ढंग से उनके अभिभाषण को सुनें।

राष्ट्रपति मुर्मू ने इस समय के सबसे ज्वलंत राष्ट्रीय मुद्दे के रूप में पेपर लीक की घटनाओं का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि सरकार ने पेपर लीक की घटनाओं को बहुत गंभीरता से लिया है और इसे रोकने के लिए कड़े उपाय कर रही है।

जाहिर है कि पेपर लीक का मामला सीधे–सीधे देश के छात्र–छात्राओं के भविष्य के साथ जुड़ा हुआ है। निश्चित रूप से सरकार को ऐसे सख्त कदम उठाने चाहिए कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो।

राष्ट्रपति ने युवाओं की बात को आगे बढ़ाते हुए जब यह कहना शुरू किया कि सरकार की कोशिश है कि देश के युवाओं को अपनी प्रतिभा को प्रदर्शित करने का अवसर मिले तो उनके इतना भर कहने पर विपक्ष के सदस्यों ने सदन के अंदर हंगामा करना शुरू कर दिया।

उन्होंने पच्चीस जून, 1975 को देश की जनता पर आपातकाल थोपे जाने की घटना को संविधान और लोकतंत्र पर बड़ा हमला बताया। उन्होंने यह भी कहा कि ऐसी असंवैधानिक ताकतों पर देश ने विजय हासिल की क्योंकि भारत के मूल्यों में गणतंत्र की ही परंपराएं हैं।

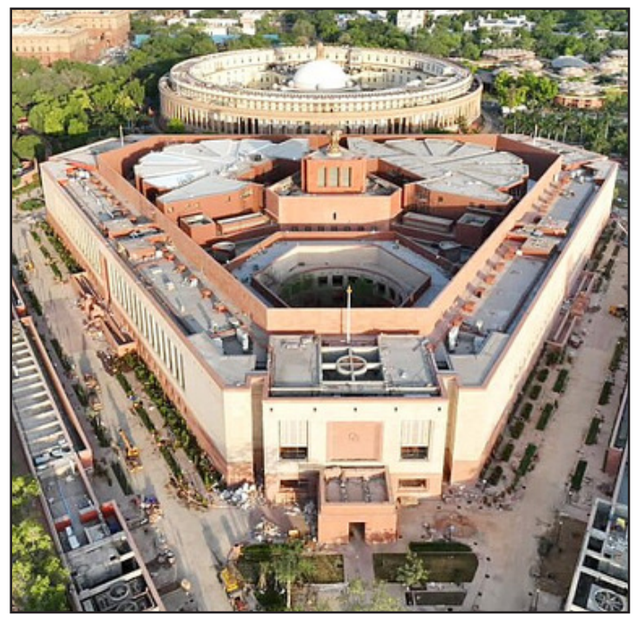

आज का राशिफल

डॉ बिपिन पाण्डेय
ज्योतिष विभाग
लखनऊ विवि

मेष–आज मन खुश रहेगा व जीवनसाथी का भरपूर सहयोग मिलेगा। नौकरी में पदोन्नति के आसार हैं आपको थोड़ा संयम से रहने की आवश्यकता होगी। आपके परिवार का कोई सदस्य आपके लिये मार्गदर्शक बनेगा। थकान महसूस होगी। आराम के लिए समय निकालें।

वृष –आज आपको स्वास्थ्य को लेकर आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता होगी। विद्यार्थियों को अपने लक्ष्य हासिल करने में थोड़ी अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है लेकिन उन्हें इस कड़ी मेहनत का अपेक्षित परिणाम भी हासिल होगा। दिन की शुरुआत में आपको थोड़ा सचेत रहने की आवश्यकता है।

मिथुन –आज अपने स्वास्थ्य को लेकर ज्यादा चिंता न करें, क्योंकि इससे आपकी बीमारी और बिगड़ सकती है। पैसे कमाने के नए मौके मुनाफा देंगे। आपको पहली नजर में किसी से प्यार हो सकता है। घर में मरम्मत का काम या सामाजिक मेल–मिलाप आपको व्यस्त रखेगा। व्यापारियों के लिए अच्छा दिन है।

कर्क –दुश्मन की ताकत का अंदाजा लगाए बिना उलझना ठीक नहीं है। जीवनसाथी की भावनाओं का सम्मान करें। धर्म–कर्म में आस्था बढ़ेगी। विरोधी परास्त होंगे। महत्वपूर्ण कार्य में विलंब संभव है। लाभ होगा। अपने प्रेमी या जीवनसाथी की नाराजगी का सामना करना पड़ सकता है।

सिंह –आज पुरानी गलतियों को लेकर भय बना रहेगा। साझेदारी में चल रहा गतिरोध दूर होने के आसार है। आयात–निर्यात के कारोबार में बड़ा लाभ संभव है। समान विचारधारा वाले लोगों के साथ काम करना आसान रहेगा। दूसरों की गलती अपने पर आ सकती है। काम में देरी से लाभ की मात्रा सीमित होगी।

कन्या –आज के दिन आपको सुख–समृद्धि, कार्यक्षेत्र में उन्नति, सुखद सफल यात्राएं, परिवार और जीवन साथी का सहयोग सब मिलने के आसार हैं। विवाहित व्यक्ति अपने जीवनसाथी में पूर्णतया विश्वास जतायें अन्यथा संबंधों में खटास पैदा हो सकती है। आपके कर्मक्षेत्र, आपके सम्मान व आपके नाम पर पडने के आसार हैं।

तुला:आज भाग्य आपके साथ है। लंबे समय से चले आ रहे प्रेम संबंधों को नया रूप देने के लिए अच्छा मौका है। आज स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें। अचानक सेहत बिगड़ सकती है और कई जरूरी काम भी रुक सकते हैं। परिवार के लोग आपसे थोड़े नाराज हो सकते हैं।

वृश्चिक: आज आप अकेलापन महसूस कर सकते हैं, इससे बचने के लिए कहीं बाहर जाएं और दोस्तों के साथ कुछ समय बिताएं।आज जिस नए समारोह में आप शिरकत करेंगे, वहाँ से नयी दोस्ती की शुरुआत होगी। आज आपका प्रिय आपके साथ में समय बिताने और तोहफे की उम्मीद कर सकता है।

धनु: आज आपके परिश्रम से किए गए कार्य में सिद्धि होगी। नौकरी में आप का सम्मान बढेगा। यात्रा के दौरान आप नयी जगहों को जानेंगे। और महत्वपूर्ण लोगों से मुलाकात होगी। आप अपने प्रिय द्वारा कही गयी बातों के प्रति काफी संवेदनशील होंगे। अगर आप सूझ–बूझ से काम लें, तो आज अतिरिक्त धन कमा सकते हैं।

मकर: आज आपके आय के नए स्रोत बनेंगे। आकस्मिक धन के अवसर मिलेंगे। मित्रों और जीवनसंगिनी के सहयोग से राह आसान होगी। आध्यात्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। दफ्तर का तनाव आपकी सेहत खराब कर सकता है। अपने जज्बात पर काबू रखें। आज आपको अपने प्रिय की याद सताएगी।

कुंभ: आज आप करिअर से जुड़े फैसले खुद करें, बाद में इसका लाभ आपको मिलेगा। सहकर्मियों और कनिष्ठों के चलते चिंता और तनाव के क्षणों का सामना करना पड़ सकता है। माता–पिता की मदद से आप आर्थिक तंगी से बाहर निकलने में कामयाब रहेंगे। आज दोस्तों के साथ बाहर घूमना आपके मन को खुशी देगा।

मीन: आज भाग्य पर निर्भर न रहें और अपनी सेहत को सुधारने की कोशिश करें। आप उन लोगों की तरफ वादे का हाथ बढ़ाएंगे, जो आपसे मदद की गुहार करेंगे। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है। यह दिन आपके सामान्य वैवाहिक जीवन से कुछ हटकर होने वाला है।

कमला या ट्रम्प में कौन बनेगा अमेरिकी राष्ट्रपति

आर.के. सिन्हा

अमेरिका में बसे लाखों भारतीय डोनाल्ड ट्रम्प के साथ हैं या कमला हैरिस के पक्ष में? अगर मीडिया पर आ रही खबरों पर यकीन करें तो कमला हैरिस को तो आज के दिन अधिक लोकप्रिय बताया जा रहा है और प्रतिदिन कमला की लोकप्रियता बढ़ती ही चली जा रही बताते हैं। भारत सरकार किसे विजयी देखना चाहती है? यह तय है कि भारत सरकार जो भी जीतेगा उसके साथ तो ताल– मेल बैठकर काम तो करेगी ही ! यह बात भारत–अमेरिका के गहरे द्विपक्षीय संबंधों की रोशनी में कही जा सकती है, जो लगातार मजबूत होते ही चले जा रहे हैं। एक बात जान लें कि अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के एकमुश्त वोट तो कमला हैरिस को नहीं मिलेंगे, कुछ वोट तो बटेंगे ही ! कुछ वोट ट्रम्प के खाते में भी जाएंगे। पर कमला हैरिस को भारतीय अपना तो मानते हैं। कमला हैरिस की मां श्यामला गोपालन , तमिलनाडू के एक कुलीन बाह्मण परिवार से थीं। यह समाज अपनी बेटियों की शिक्षा पर भी बहुत ध्यान देता है। इसलिए इस परिवार ने श्यामला गोपालन को अपने सपनों को पूरा करने के लिए नई दिल्ली जाने की अनुमति दी। जहां उन्होंने दिल्ली यूनिवर्सिटी में पढ़ाई की। श्यामला के पिता पी.वी. गोपालन भी सरकारी सेवा में ही थे और मां सफल गृहणी थी। गोपालन जी सरकारी दफ्तर में टाइपिस्ट थे और अपनी लगन और ईमानदारी के सहारे पदोन्नति पाते रहे। वह अपनी नौकरी के सिलसिले में मद्रास, नई दिल्ली, मुंबईऔर कोलकाता में रहे। डीयू से 19 साल की उम्र में डिग्री लेने के बाद, कमला हैरिस की मां श्यामला ने अमेरिका का उच्च शिक्षा हासिल करने के लिए रूख किया। उन्होंने अमेरिका में एक अफ्रीकी मूल के शख्स से शादी की , जिसका परिवार कैरिबियाई देश जमाईका में बस गया था। इस लिहाज से देखा जाए तो कमला हैरिस को भारतीय और अफ्रीकी कहीं ना कहीं अपने से जुड़ा मानते हैं।

उधर, ट्रम्प का भी अपना एक खघस जनाधार है ही। वह अमेरिका के 2016–2020 के दौरान राष्ट्रपति रहे हैं। ट्रम्प वह व्यक्ति भी हैं जिन्होंने यूक्रेन और गाजा में संघर्षों को समाप्त करने का वादा किया है, जो लेबनान तक फैल गया है। वह इसे कितना गंभीरता से मानते हैं और क्या वह सफल होंगे, यह अनुमान का विषय है, लेकिन कम से कम उन्होंने वादा तो किया ही है।राष्ट्रपति जो बाइडेन के विदेश मंत्री एंथोनी ब्लिंकन भी गाजा में चल रहे संघर्ष को खत्म करने के लिए अपने ढंग से कुछ काम भी कर रहे हैं । उम्मीद है कि इससे डेमोक्रेटिक पार्टी को मदद मिल सकती है। लेकिन न तो बाइडेन और न ही कमला हैरिस ने अब तक गाजा में शांति लाने का कोई ठोस इरादा दिखाया है। ऐसे में क्या ट्रम्प की जीत विश्व शांति के लिए भी मतदाता अच्छी मानेंगें?

भारत दृअमेरिका संबंध

अब जरा बात कर ले भारत– अमेरिका संबंधों की। तो ज्यादातर

राजनीतिक विश्लेषक यह मानते हैं , इससे भारत – अमेरिका संबंधों पर कोई खघस फर्क नहीं पड़ेगा कि व्हाइट हाऊस में ट्रम्प पहुंचते हैं या कमला हैरिस। भारत और अमेरिका के द्विपक्षीय संबंध तो बेहतर होते रहेंगे, यही अंतरराष्ट्रीय संबंधों के विश्लेषक मानते हैं।दोनों देशों के संबंध उस दायरे से कहीं आगे जाते हैं, जब सत्ता परिवर्तन का असर संबंधों पर होता है। इन संबंधों में किसी पर्सनेल्टी का असर नहीं हो सकता। हां, दोनों देशों के नेताओं के निजी संबंधों से संबंध और बेहतर तो हो सकते हैं। यह हमने नरेन्द्र मोदी और बराक ओबामा, फिर मोदी और डोनाल्ड ट्रम्प और उसके बाद मोदी और बाइडेन के समय देखा। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से अमेरिका के दो पूर्व राष्ट्रपतियों बराक ओबामा और डोनाल्ड ट्रम्प के साथ एक अलग पर्सनल केमिस्ट्री विकसित की थी, वैसी ही केमिस्ट्री उनकी राष्ट्रपति बाइडेन के साथ भी बनी। कुछ अस्वस्थ होने के बावजूद पिछले साल बाइडेन जी–20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने नई दिल्ली आए। उसके बाद से उनकी भारतीय प्रधानमंत्री मोदी से आपसी और अंतरराष्ट्रीय मामलों पर अक्सर बातचीत होती ही रहती है।

एक बात और। अगर ट्रम्प फिर से अमेरिका के राष्ट्रपति बन जाते हैं तो संसार के इस्लामिक देशों के साथ वे किस तरह का संबंध बनाकर रखना चाहेंगे? वह पहली बार जब राट्रपति का चुनाव जीते थे तब सारा इस्लामिक संसार दुखी था। वह अपनी कैंपेन के दौरान बार–बार इस्लाम को लेकर बयान दे रहे थे। उन्होंने इस्लाम को अमेरिका विरोधी बताते हुए उनके अपने देश में प्रवेश पर पाबंदी लगाने की मांग तक दोहराई थी। हालाकि उन्होंने कहा था कि उनकी लड़ाई कट्टरपंथी मुसलमानों से है। लेकिन , इस बार वह संभल कर चल रहे हैं।

डोनाल्ड ट्रम्प आतंकवादी संगठन इस्लामिक स्टेट (आईएस) के पनपने के लिए बराक ओबामा और हिलेरी क्लिंटन को जिम्मेदार मानते हैं। ट्रम्प के इस तरह के बयानों पर उन्हें अमेरिका के गैर– मुसलमानो का समर्थन भी मिला। डोनाल्ड ट्रम्प के इस दावे से सनसनी पैदा हो गई थी कि 11 सितंबर 2001 के हमलों के बाद दुनिया भर के मुसलमान जश्न मनाने के लिए श्सड़कों पर उतरश आए थे।उसके बाद उन्होंने कहा, अरब और अमेरिकी मुसलमानों ने आंतकी हमलों का जश्न मनाया था। ट्रम्प ने अपने देश में मुसलमानों की निगरानी करने के लिए एक डाटा बेस बनाने का भी वादा किया था। ट्रम्प ने यह भी कहा था कि आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई लड़ने के लिए अमेरिका के मुस्लिमों पर तगड़ी निगरानी जरूरी होगी। तब उनकी अमेरिकी मीडिया ने तीखी आलोचना की थी। लेकिन ट्रम्प अपने रुख पर कायम रहे थे ।यह सच है कि अमेरिका में 9ध्11 की घटना के बाद औसत अमेरिकी मुसलमानों से डरने और सतर्क रहने लगा था। हालांकि 9ध्11 की घटना के बाद दुनिया अब बहुत कुछ बदल चुका है। फिलहाल तो यह देखने वाली बात है कि अमेरिका का नया राष्ट्रपति कौन बनता है।

अस्पताल में खून की दलाली का धंधा, शिकायत पर खुलासा

मामला सत्य पाएं जाने पर मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य से हुई शिकायत

मीरजापुर। मंडलीय अस्पताल में खून चढ़ाने के एवज में मरीज के तीमारदार से वसूली का धंधा फल–फूल रहा है। ऐसा ही एक मामला मंडलीय अस्पताल का सामने आया है जहां संविदा आउटसोर्स कर्मचारियों ने खून दिलाने के नाम पर मरीज के तीमारदार से 6 हजार रुपए ऐंठ लिए। जानकारी होने पर उच्च न्यायालय के अधिवक्ता की सूचना पर मंडलीय अस्पताल के प्रमुख अधिक्षक डा एके सिन्हा ने जांच कराई तो जांच में दोषी पाए गए एक स्टाफ

➤ **'नाम उजागर होने पर स्टाफ नर्स व वार्डब्वाय मरीज के तीमारदार को देने लगें धमकी**

नर्स और वार्ड ब्वॉय आगबबूला होकर मरीजों को धमकाने लगे हैं। बताया जा रहा है कि दोषी कर्मचारियों द्वारा पीड़ित पर शिकायत वापस लेने के लिऐ दबाव बनाया जा रहा था। प्रमुख अधिक्षक डा एके सिन्हा ने दोषी पाए गए कर्मचारियों पर कार्यवाही के लिऐ मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को पत्र लिखा है। अब देखना यह है कि इस मामले में कार्रवाई क्या होती है।

डाक्टर एके सिन्हा के मुताबिक, 16 सितंबर 2024 को प्रातः 10रू39 बजे प्रयागराज से हाईकोर्ट के एक अधिवक्ता का फोन उनके पास आता है जिसमें बताया गया कि जिला अस्पताल के पुरुष मेडिकल वार्ड में बेड संख्या 23 पर कृष्णा नाम का एक मरीज भर्ती है, जिसे खून चढ़वाने के एवज में एक स्टाफ द्वारा ६ 6000 लिया गया है एवं उसके पश्चात खून चढ़ाया गया। उनके द्वारा बताया गया कि मरीज के माता पिता

मजदूरी कर जीवन यापन करते हैं और उन्होंने यह ६6000 किसी से उधार लेकर दिए हैं। यह शिकायत मिलने पर मरीज के माता–पिता को बुलाया तो उनके द्वारा भी यही बात बताई गई कि पैसे लेकर मेरे मरीज को खून चढ़ाया गया है। उन्होंने कहा कि यहां के स्टाफ के द्वारा पहले मुझे रुपए 10000 की मांग की गई की जा रही थी, फिर ६ 6000 पर बात तय हुई। उसके बाद ६6000 लेकर खून दिया गया। यह भी बताया गया कि कृष्णा को शौच के रास्ते से खून आ रहा था जिस कारण 9 सितंबर को अस्पताल में भर्ती कराया गया था। यह पूछने पर कि जिस स्टाफ ने आपसे पैसा लिया है क्या आप उसे पहचान सकते हैं तो उन्होंने कहा कि हम उन्हें पहचानते हैं और वह अभी सुबह की ड्यूटी में नहीं है। 16 सितंबर को ही दोपहर 2रू45 पर मैट्रन की सहायिका तथा कुछ महिला पुलिस आरक्षी एवं पुरुष पुरुष आरक्षी को लेकर उक्त मरीज के पास वार्ड में जाने पर मरीज की मां ने श्रीमती प्रतिमा स्टाफ नर्स (आउटसोर्स) की ओर इशारा कर एवं उन्हें टच कर बताया कि यही मैडम मुझसे खून के लिए ६6000 ली है। इनके द्वारा यह भी बताया गया कि एक और स्टाफ फोन पर बात कर कहीं से खून मंगवाने की बात कर रहा था। पूछने पर पता चला कि फोन पर खून मंगवाने वाले का नाम अजय वार्ड बाय (आउटसोर्स) है। दूसरे दिन 17 सितंबर 2024 को मरीज के माता, पिता एवं भाई ने बताया कि कल रात 8रू00 बजे तक उक्त स्टाफ नर्स मुझे धमकाते रहे और आज सुबह भी ध मका रहे हैं कि एक तो मैंने खून दिलवा कर तुम्हारे बेटे की जान बचाई और तुम मेरी शिकायत कर रहे हो। मुझे मेरा दिया हुआ खून लौटाओ तभी मैं तुम्हें ६6000 लौटाऊंगी। मरीज की मां ने हाथ जोड़कर प्रार्थना कर रही थी कि मेरा बेटा बहुत डरा हुआ है और अस्पताल में नहीं रहना चाह रहा है, किसी भी तरह आज शाम तक मेरे मरीज को छुट्टी कर दीजिए। जिस ब्लड ग्रुप का खून मंगाया गया, उस ब्लड ग्रुप का खून उक्त दिवस को हमारे अस्पताल के ब्लड बैंक के स्टॉक में था। इस सम्पूर्ण प्रकरण की जानकारी मेडिकल कॉलेज के प्रधानाचार्य को देते हुए घटना की सूचना लिखित रूप में एवं सारे सबूत के साथ उपलब्ध करा दिया गया है तथा प्रधानाचार्य से आग्रह किया है कि उक्त प्रकरण को गंभीरता से संज्ञान में लेकर संलिप्त स्टाफों के खिलाफ कठोर अनुशासनात्मक कार्यवाही करें, ताकि भविष्य में ऐसी घटना की पुनरावृति न हो सके और किसी मरीज के साथ अस्पताल में कोई अन्याय न हो पाए। अब देखना यह है कि इस मामले में प्रधानाचार्य क्या कार्रवाई सुनिश्चित करतें हैं।

सीडीओ ने पान उत्पादक दल की बस को हरी झण्डी दिखाकर रवाना किया

प्रतापगढ़। गुणवत्तायुक्त पान उत्पादन प्रोत्साहन की योजना वर्ष 2024–25 के अन्तर्गत जनपद के पान उत्पादक 50 कृषकों का दल प्रदेश से बाहर (चन्द्रशेखर आजाद कृषि विश्वविद्यालय कानपुर, महोबा एवं कृषि विज्ञान केन्द्र छतरपुर मध्य प्रदेश) जनपद से रवाना हो रहा है। मुख्य विकास अधिकारी डा0 दिव्या मिश्रा ने विकास भवन परिसर से पान उत्पादक कृषकों के दल की बस को हरी झण्डी दिखाकर प्रदेश के बाहर भ्रमण के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर जिला उद्यान अधिकारी सुनील कुमार शर्मा उपस्थित रहे।

एकता की डोर में पिरोने की आवश्यकता

जौनपुर(आरएनएस)। अंतर्राष्ट्रीय हिंदू परिषद राष्ट्रीय बजरंग दल की संयुक्त बैठक शाहगंज तहसील समैसा आश्रम पर आहूत की गई । अध्यक्षता जगदंबा प्रसाद सिंह अध्यक्ष शाहगंज तहसील अंहिप और संचालन कृष्ण कुमार उपाध्याय जिला महामंत्री रा ब द ने किया ।बैठक के मुख्य वक्ता अजय पाण्डेय जिला अध्यक्ष अहिप ने बताया कि हिंदू परिषद, राष्ट्रीय बजरंग दल आज देश के सनातनी हिंदुओं का एक छाता संगठन साबित हो रहा है, जो अपने बहन बेटियों की सुरक्षा, मठ मंदिरों की सुरक्षा और अपने हिंदुत्व की सुरक्षा के साथ संगठन राष्ट्र की सुरक्षा के लिए सदैव तत्पर है। कहा की आज देश को एकता की डोर में पिरोने की आवश्यकता है। यदि हम बाटेंगे तो निश्चित कटेंगे इसलिए हमें ,हिंदुत्व को शीर्ष पर रखकर सदैव हिंदू ही आगे कर अपनी भारत माता की अस्मिता की सुरक्षा करने के लिए सदैव तैयार रहना होगा। उन्होंने कहा कि आज राजनीतिक गलियारों में राजनीत करने वाले अपनी राजनीतिक बर्चस्व हेतु अपने राष्ट्र की चिंता किए बगैर सनातनी हिंदुओं को जातीय समीकरण में बाट कर अपनी राजनीत चमकाने में लगे हैं ।जिससे आज हम और हमारे हिंदुओं के कुनबे को कमजोर ही नहीं बल्कि उसे रेत की दीवार बना कर बाटने का काम कर रहें है।

संक्षेप

स्वागत की तैयारी जोरों पर

सुल्तानपुर (आरएनएस)। वंदे भारत पदयात्रा का संकल्प लेकर पूरे देश में पर्यावरण संरक्षण की अलख जगाने वाले आशुतोष पांडे के स्वागत की तैयारी जोरों पर। बता दें कि विकास खंड दूबेपुर क्षेत्र के पूरे लेखई पाण्डेय निवासी आशुतोष पांडे ने 21 राज्यों के भम्रण कर 2250 गांव और 1080 स्कूल में लगभग एक लाख पचास हजार बच्चों के साथ जनजागरण एवं सेमिनार करते हुए 56800 राम वट कि स्थापना स्कूल, कालेज, धार्मिक स्थल एवं गांव के साथ मिलकर किया। इस सम्बन्ध में कानपुर के ग्राम प्रधान लक्ष्मी नारायण त्रिपाठी ने बताया कि दिनांक 15 सितम्बर 2024 को यात्रा भगवान लव–कुश की नगरी सुल्तानपुर (कुशभवनपुर) के लिए वन्दे भारत पदयात्रा रवाना होगी। सुबह 10 बजे कुड़ेभार पहुंच कर यात्रा को सुल्तानपुर के 300 लोगों के द्वारा रिसीव किया जायेगा पदयात्रा का स्वागत समारोह प्रोग्राम कुडेभार, कटका, के.एन.आई. गोलाघाट पर रखा गया है। उसके बाद यात्रा सीताकुण्ड पहुंचकर राम वट की स्थापना सुल्तानपुर नगर वासियों के साथ मिलकर करेंगी और सभी पत्रकार बंधुओं से वार्ता करते हुए सुल्तानपुर के विकास कार्य पर चर्चा किया जायेगा। इस सम्बंध में सोमवार दोपहर सुल्तानपुर एडीएम गौरव शुक्ल को ज्ञापन सौंपा गया।

'शिक्षक मनोयोग से शिक्षण कार्य करे'

सुल्तानपुर(आरएनएस)। शिक्षको के विभिन्न समस्याओं के निस्तारण और शिक्षको आकस्मिक अवकाश लेकर बीएसए कार्यालय आने पर रोकने के आदेश के संबंध में शिक्षक संघ द्वारा पृच्छा की गई। दोनो के बीच लम्बी वार्ता चली। उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ शिक्षको के विभिन्न समस्या के दृष्टिगत मंगवलवार को देर शाम प्राथमिक शिक्षक संघ का प्रतिनिधिमंडल जिला अध्यक्ष दिलीप पांडे के नेतृत्व में बीएसए उपेंद्र गुप्ता से मिला। जनपदीय प्रवक्ता निजाम खान ने बताया कि पूर्व में दिये गए मॉग पत्र के विषय मे संघ और बीएसए के बीच बिंदुवार वार्ता हुई। निम्न बिंदुओं पर बृहद वार्ता हुई बी एस ए ने लंबित समस्याओं को शीघ्र निस्तारण करने का आश्वासन दिया। बीएसए और संघ के बीच निम्न बिंदुओं वार्ता हुई प्रवक्ता निजाम खान ने बताया कि 2009 से लंबित प्रोन्नत वेतन मान पर प्राथमिकता से कार्य चल रहा है। जिसकी सूची अविलंब जारी होगी। शिक्षकों के चयन वेतनमान और शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के।ब्व् के संबंध में बीएसए ने कहा कि कार्यालय को फाइल प्राप्त होते ही शीघ्रता से कार्यवाही होती है, जो फाइल पहले से ही लम्बित हैं वे निस्तारित होने वाली हैं, शीघ्र ही आदेश जारी होगा। जिन शिक्षकों का एक दिन का वेतन या इस तरह की कार्यवाहियाँ हुई है के निस्तारण की प्रक्रिया गतिमान है। मातृत्व अवकाश, बाल्य देखभाल अवकाश और चिकित्सीय अवकाश हेतु महोदय ने संगठन से कहा कि ऑनलाइन अवकाश का निस्तारण तुरंत किया जा रहा है। शिक्षकों के अभिलेखों के सत्यापन की कार्यवाही त्वरित गति से चल रही है, आवश्यकता पड़ने पर विशेष वाहक भेजकर सत्यापन का करा लिया जायेगा।

हत्यारोपी को पुलिस ने पकड़ा

चित्रकूट। थाना रैपुरा क्षेत्रान्तर्गत ग्राम अगरहुंडा में हुयी हत्या की घटना के शेष नामजद आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए लगातार प्रयास करते हुए प्रभरी निरीक्षक श्याम प्रताप पटेल ने टीम के साथ वांछित समाजी पुत्र स्व नौमतिया निवासी ग्राम अगरहुंडा को गिरफ्तार किया है। मुख्य आरोपी रामगोविन्द उर्फ गोविन्द पुत्र समाजी को पहले ही जेल भेजा जा चुका है। अन्य आरोपियों की गिरफ्तारी के प्रयास किये जा रहे है।

ग्रामीणों ने सियार को भगाया

ड्रमंडगंज, मीरजापुर(आरएनएस)। हलिया थाना क्षेत्र में बुधवार की रात्रि में ध मौली बस्ती में पहुंचे सियार के झुंड ने घर के बाहर खाना खा रही दो वर्षीय बालिका के उपर हमला कर दिया। बालिका की चीख–पुकार सुनकर मौके पर पंहुचे ग्रामीणों ने सियार के झुंड को लाठी–डंडे से मारकर भगाते हुए बालिका को उपचार के लिए एंबुलेंस 108 पर सूचना दिया। मौके पर पंहुची एंबुलेंस वाहन ईएमटी संतोष भारतीय व ड्राइवर अरुण कुमार ने बालिका को उपचार के लिए प्राथमिक स्वास्थय केंद्र में भर्ती कराया। जहां पर चिकित्सक द्वारा बालिका का उपचार करते हुए एंटी रैबीज इंजेक्शन लगाया। हलिया थाना क्षेत्र के धमौली गांव निवासी संतोष कोल की तीन वर्षीय बेटी खुशबू बुधवार की रात्रि में घर के बाहर खाना खा रही थी कि जंगल की तरफ से बस्ती में पंहुचे जंगली सियार के झुंड ने हमला कर घायल कर दिया। जंगली सियार के झुंड के बस्ती में पंहुचने पर ग्रामीणों में दहसत व्याप्त है।चिकित्साधिकारी डा अवधेश कुमार ने बालिका का उपचार किया। सूचना मिलने पर मौके पर पंहुचे वन क्षेत्राधिकारी अवध नारायण मिश्र व वन्यजीव रक्षक शीतला बक्स सिंह ने घायल बालिका का हालत की जानकारी लिया।

रोडवेज बस का शीशा टूटा, मुकदमा

ड्रमंडगंज, मीरजापुर(आरएनएस)। हलिया थाना क्षेत्र के पौड़ी रामपुर गांव निवासी मिर्जापुर डिपो के रोडवेज बस चालक सुरेश सिंह की तहरीर पर पुलिस ने प्राइवेट बस के खलासी समेत दो लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर रविवार को पुलिस बस के खलासी को गिरफ्तार कर शांति भंग के अंदेशा में एसडीएम न्यायालय भेज दिया है। वही दूसरा व्यक्ति पुलिस के गिरफ्त से बाहर है। दिए गए तहरीर में रोडवेज चालक सुरेश सिंह ने आरोप लगाया था कि शनिवार की शाम मतवार गहिला निवासी शिवम मिश्रा के ललकारने पर प्राईवेट बस के खलासी व कुबरा गांव निवासी भोला श्रीवास्तव ने पत्थर मारकर रोडवेज बस के दाहिने तरफ का शीशा तोड दिया है जिस पर पुलिस ने प्राइवेट बस के खलासी भोला व शिवम मिश्रा दो के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर प्राइवेट बस के खलासी भोला श्रीवास्तव को गिरफ्तार कर शांति भंग के अंदेशा में एसडीएम न्यायालय में भेज दिया। वही दूसरे आरोपी के तलाश में पुलिस जुटी हुई है। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक वीरेंद्र सिंह ने बताया कि रोडवेज बस चालक की तहरीर पर दो लोगों के विरुद्ध मुकदमा दर्ज कर प्राइवेट बस के खलासी को गिरफ्तार कर शांति भंग के अंदेशा में जेल में दिया गया है। दूसरे की तलाश जारी है।

पानी में बह गई सड़क

मीरजापुर। पिछले दो दिनों से जिले में हो रही बारिश ने जमकर तबाही मचा रखी है। सदर चुनार तहसील सहित होलिया विकासखंड के विभिन्न गांव में गंगा सहित पहाड़ी नदियों का पानी तूफान पर आ जाने से सड़क व मार्ग बह गए हैं। इससे आवागमन की गंभीर समस्या उत्पन्न हो गई है तो वही बाढ़ के भाई से लोग अन्यत्र बना लिए हैं। जिला प्रशासन द्वारा निरंतर बाढ़ ग्रस्त क्षेत्रों में भ्रमण करते हुए लोगों को राहत सामग्री प्रदान की जा रही है। जिले के अंतिम छोर पर स्थित हलिया विकास खंड क्षेत्र में हथेडा के बीच पुल पर पानी के तेज बहाव में पूरी सड़क उखड़ कर बह गई है। इससे रास्ता अवरुद्ध होने से आवागमन बाधित हो गया है। कई गांवों का संपर्क टूट गया है। वर्षों बाद ऐसा देखने को मिला है जब बहाव के चलते सड़क के दोनों तरफ की सड़क गड्ढे में तब्दील हो गई है।

स्वच्छता आदत नहीं, बल्कि जिम्मेदारी

जौनपुर(आरएनएस)। पूर्वांचल विश्वविद्यालय एवं राष्ट्रीय सेवा योजना परिसर इकाई द्वारा स्वच्छता ही सेवा पखवारा कार्यक्रम के तहत विद्यार्थियों को शुक्रवार को शपथ दिलाई गई। यह शपथ विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. वंदना सिंह ने दिलाई। इस मौके विद्यार्थियों के साथ विश्वविद्यालय के शिक्षक और

अधिकारी भी शामिल थे। स्वच्छता ही सेवा पखवाड़ा 17 सितम्बर से दो अक्तूबर तक चलेगा। कुलपति प्रो वंदना सिंह ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि स्वच्छता केवल एक आदत नहीं, बल्कि यह एक जिम्मेदारी है जो हम सभी को निभानी चाहिए। श्स्वच्छता ही सेवाश् कार्यक्रम के माध्यम से हम न केवल अपने परिसर को स्वच्छ बनाए रखने का संकल्प लेते हैं, बल्कि समाज में स्वच्छता के प्रति जागरूकता फैलाने का भी प्रयास करते हैं। इस शपथ के साथ, हम एक स्वस्थ और स्वच्छ भारत के निर्माण में अपना योगदान देंगे। स्वच्छता को अपने जीवन का अभिन्न हिस्सा बनाएं और इसे एक जन–आंदोलन के रूप में आगे बढ़ाएं।कुलसचिव महेंद्र कुमार ने कहा कि स्वच्छता अभियान में

मकान निर्माण की खुदाई में मिला खजाने नुमा अवशेष

बल्दीरायध्सुलतानपुर (आरएनएस)। बल्दीराय तहसील क्षेत्र के इसौली गांव में खुदाई के दौरान प्राचीन काल के खजाने नुमा अवशेष मिला है। ग्रामीणो ने इसकी सूचना तत्काल पुलिस तथा राजस्व के जिम्मेदार अधिकारी को दी। ज्ञात रहे कि इसौली गांव के निवासी कल्लू सुत फुलमान द्वारा घर के निर्माण के लिए खुदाई करवा रहा था। खुदाई के दौरान प्राचीन खजाने नुमा अवशेष दिखाई दिया देखते देखते वहां गांव के बड़ी संख्या में ग्रामीण इकटठा हो गए। स्थानीय ग्रामीणों द्वारा इसकी सूचना तत्काल पुलिस और तहसील प्रशासन को दी सूचना पाते ही मौके पर तहसीलदार अरविन्द तिवारी बल्दीराय ने खुदाई स्थल का निरीक्षण निरीक्षण किया। तहसीलदार द्वारा ग्राम सभा के कुछ भाग में किये जा रहे निर्माण कार्य को तत्काल रुकवाने हेतु क्षेत्रीय लेखपाल अमित यादव को निर्देशित किया है। तहसीलदार ने बताया कि पुरातत्व विभाग को जानकारी दी गई जॉच के वाद ही स्थित सामने आ जाएगी।

तहसीलदार ने निर्माण कार्य रोकवाने का दिया आदेश– तहसीलदार आरविन्द तिवारी ने निरीक्षण के दौरान कल्लू सुत फुलमान द्वारा ग्राम सभा की भूमि में छज्जा निकालकर किये गए अवैध अतिक्रमण के संबंध में क्षेत्रीय लेखपाल को छज्जा हटवाने हेतु निर्देशित किया।

कुछ ऐसे काम होने चाहिए जो मॉडल के रूप में विकसित

सीतापुर । मुख्य विकास अधिकारी निधि बंसल की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सभी खंड विकास अधिकारियों संग 2016–2017 से 2023–2024 तक प्रध ानमंत्री आवास योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक सम्पन्न हुयी। समीक्षा के दौरान अब तक कुल–241294 लक्ष्य के सापेक्ष 2447 आवास बनने शेष बचे हैं, जिनमें से 2217 आवासों की तीसरी किस्त लाभार्थियों के खाते में जानी बांकी है। इस किस्त के खातों में पहुंचते ही प्रधानमंत्री आवास योजना का उक्त लक्ष्य लगभग पूर्ण हो जाएगा। मुख्यमंत्री आवास योजना की समीक्षा में आवासों के लक्ष्य को जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिये। मुख्य विकास अधिकारी ने सभी खण्ड विकास अधिकारियों को निर्देश दिये कि सभी अपने विकास खंड में कुछ नया काम करें, विकास करें, किसी भी काम को लम्बित न रखा जाये। कुछ ऐसे काम होने चाहिए जो मॉडल के रूप में विकसित हो। जो प्रधान काम नही कर रहे हैं लाभार्थियों को दौड़ाने का काम कर रहे हैं उनकी जांच कराकर पावर सीज कर दिए जाय। कार्यों की गुणवत्ता परखे, लापरवाही बरतने वाले पंचायत सेक्रेटरी, ग्राम प्रधान पर कार्यवाही सुनिश्चित करे। मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिये कि जर्जर विद्यालयों की समस्या को दूर करने हेतु नियमानुसार कार्यवाही सुनिश्चित कराये तथा मध्यान्ह भोजन आदि की समुचित व्यवस्थाएं ग्राम प्रधान समय से उपलब्ध कराए।

सुनी आमजन की समस्यायें

प्रतापगढ़। जिलाधिकारी संजीव रंजन ने कलेक्ट्रेट के सभागार में मतदेय स्थलों के सम्भाजन में प्राप्त दावे और आपत्तियों के निस्तारण के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों एवं अधिकारियों के साथ बैठक की और कहा कि आयोग के निर्देशानुसार जो भी मतदेय स्थलों के सम्भाजन के सम्बन्ध में दावे और आपत्तियॉ प्राप्त हुई थी उनका निस्तारण कर आज अन्तिम रूप दिया गया है। उन्होने बताया कि मतदेय स्थलों के सत्यापन के बाद जनपद में कुल 13 मतदेय स्थलों के भवनों में परिवर्तन किया गया है, 07 भवन जर्जर पाये गये तथा 04 भवन उपयुक्त नही पाये गये। जनपद में कुल 05 नये मतदेय स्थल बनाये गये है तथा 246 कुण्डा में 05 मतदान केन्द्र कम हुये है। 247–विश्वनाथगंज विधानसभा में 01 नया मतदान केन्द्र व 01 नया मतदेय स्थल बनाया गया है। 244–रामपुरखास में 02 मतदान केन्द्र नये बनाये गये है। 248–प्रतापगढ़ में 02 मतदेय स्थल, 249–पट्टी विधानसभा में 01 मतदेय स्थल तथा 250–रानीगंज विधानसभा में 01 मतदेय स्थल नये बनाये गये है। वर्तमान में 2621 के सापेक्ष 2626 मतदेय स्थल एवं 1674 मतदान केन्द्रों के सापेक्ष 1672 मतदान केन्द्र हो गये है। बैठक में अपर जिलाधिकारी (वि0/रा0) त्रिभुवन विश्वकर्मा, समस्त उपजिलाधिकारी सहित राजनैतिक

➤ **मतदेय स्थलों के सम्भाजन में प्राप्त दावे और आपत्तियों के निस्तारण के सम्बन्ध में राजनैतिक दलों के साथ बैठक सम्पन्न**

➤ **मतदेय स्थलों के सम्भाजन के प□चात् जनपद में 2626 मतेदय स्थल एवं 1672 मतदान केन्द्र हुये–जिलाधिकारी**

दलों से भारतीय जनता पार्टी के रामजी मिश्रा, अपना दल एस से परमानन्द मिश्र, कांग्रेस पार्टी से सुरेश कुमार मिश्र, सपा से निसार अहमद व मो0 असलम, विधायक रानीगंज प्रतिनिधि रमेश कुमार, बसपा से राम आसरे आर्या, मार्क्सवादी कम्युनिस्ट पार्टी लाल बहादुर तिवारी व अन्य सम्बन्धित उपस्थित रहे।

रेलवे ट्रैक पर गिरा मालगाड़ी का इंजन पटरी से उतरा

सोनभद्र। चुर्क से चोपन की दिशा में जा रही मालगाड़ी सोमवार तड़के एक बड़ी दुर्घटना का शिकार हो गई। घटना के अनुसार, भारी बरसात के बीच एक पहाड़ी चट्टान का मलबा अचानक रेलवे ट्रैक पर गिर गया, जिससे मालगाड़ी का इंजन और दो डिब्बे पटरी से उतर गए। यह हादसा सुबह करीब 4 बजे हुआ। रविवार दोपहर से सोनभद्र में रुक–रुक कर बारिश हो रही थी, जिसके कारण पहाड़ी क्षेत्र में मलबा गिरने की आशंका थी। सोमवार की भोर में जैसे ही मालगाड़ी चुर्क रेलवे स्टेशन से निकलकर ब्रह्मा बाबा पुल के पास घाघर नदी के पोल संख्या 159ध्21 के पास पहुंची, अचानक एक पहाड़ी चट्टान खिसक गई और ट्रैक पर गिर गई। इससे मालगाड़ी के इंजन और दो डिब्बे प्रभावित हो गए और मालगाड़ी वहीं खड़ी हो गई। हादसे के कारण कई ट्रेनों के

संचालन पर असर घटना की जानकारी मिलते ही रेलवे विभाग में हड़कम्प मच गया। मौके पर रेलवे के मंडल चीफ हिमांशु सहित अन्य अधिकारी पहुंच गए और ट्रैक को साफ करने का काम शुरू कर दिया। रेलवे अधिकारियों ने आश्वासन दिया है कि जल्द ही ट्रैक को बहाल कर दिया जाएगा और रूट को फिर से चालू कर दिया जाएगा। हादसे के कारण कई ट्रेनों के संचालन पर असर पड़ा है। जम्मूतवी एक्सप्रेस (अप) को गढ़वा रेलवे स्टेशन (झारखंड) से रूट डायवर्ट डाउन त्रिवेणी एक्सप्रेस को चुनार रेलवे स्टेशन पर रोका गया है, जबकि जम्मूतवी एक्सप्रेस (अप) को गढ़वा रेलवे स्टेशन (झारखंड) से रूट डायवर्ट किया गया है। रेलवे विभाग ने ट्रैक को जल्द से जल्द दुरुस्त करने और यातायात को सामान्य स्थिति में लाने के लिए कर्मचारियों की एक बड़ी टीम मौके पर तैनात की है। अधिकारियों ने बताया कि ट्रैक को साफ करने और बहाल करने का काम जारी है और अगले कुछ घंटों में ट्रैक चालू होने की उम्मीद है।

ई–रिक्शा चालकों पर अंकुश लगाने हेतु दिया ज्ञापन

कछौनाध्हरदोई।ई–रिक्शा चालकों के बेलगाम के कारण कछौना कस्बा का एक युवा हंसमुख मिलनसार व्यापारी दुर्घटना के कारण आसमान मृत्यु हो गई। परिवार के ऊपर दुःख का पहाड़ टूट पड़ा। इस घटना से लोगों में काफी आक्रोश है। किसी और बेगुनाह की जान न जाए। जिसका दंश परिवार को जीवन भर झेलने को विवश हो गया। कछौना के व्यापारियों ने शुक्रवार को कोतवाली कछौना में प्रभारी निरीक्षक के साथ बैठकर बेलगाम ई–रिक्शा चालकों पर अंकुश लगाने के विषय में ज्ञापन दिया।

बताते चले ,कस्बा कछौना सहित ग्रामीण क्षेत्र में ई रिक्शा बड़े पैमाने पर मानकों को ताक पर रखकर चल रहे हैं। यह चालक बिना लाइसेंस, नाबालिक, बिना पंजीकरण, बिना बीमा, क्षमता से ज्यादा सवारी, धड़ल्ले से नशे में धुत होकर चला रहे हैं। जिसका खामियाजा आमजन मानस को उठाना पड़ता है।ई–रिक्शा चालकों को अनियंत्रित तरीके से चलने के कारण आए दिन राहगीर चुटहिल होते हैं। यहां तक एक युवा व्यापारी की जान चली गई। वही गलत तरीके से खड़े करने के कारण रेलवे स्टेशन फाटक के दोनों तरफ, इंदिरा मार्केट, बाबूलाल पुलिया, कछौना चौराहा पर जाम की स्थिति बनी रहती है। वहीं कई ई–रिक्शा चालक अपराधी होने के कारण लोगों छात्राओं महिलाओं में असुरक्षा की प्रबल संभावना रहती है।

कोतवाली का घेराव कर एसपी को ज्ञापन

सोनभद्र (आरएनएस)। रविवार को समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष रामनिहोर यादव ने बताया कि रविवार को भाजपा के युवा मोर्चा द्वारा देश की तीसरी बड़ी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री उत्तर प्रदेश एवं वर्तमान सांसद अखिलेश यादव का पुतला फूंका गया तथा अभद्र टिप्पणी किया गया और उनको मारने पीटने की धमकी दी गई जिसको लेकर समाजवादी का एक प्रतिनिधिमंडल एडिशनल एसपी कालू सिंह को फिर मुकदमा दर्ज करने के लिए प्रार्थना पत्र दिया गया और एडिशनल एसपी द्वारा आश्वासन दिया गया कि तत्काल हम उन लोगों को चिन्हित कर उन पर कार्यवाही करेंगे । कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव सांसद छोटेलाल सिंह खरवार राष्ट्रीय सचिव पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा रमेश चंद्र दुबे ने कहा कि यदि भाजपा के कार्यकर्ताओं पर कार्यवाही नहीं की गई तो समाजवादी पार्टी सड़क उतरने पर बाध्य होगी जिसकी सारी जिम्मेदारी जिला प्रशासन की होगी । इस मौके पर मोहम्मद सईद कुरैशी अनिल प्रधान अशोक पटेल विजय यादव राम भरोसे सिंह पटेल सुरेश यादव राम प्यारे सिंह पटेल गीता गौर डॉक्टर लोग पति सिंह पटेल सरदार पारब्रह्म सिंह रहे।

निःशुल्क भोजन जरूरतमंदों के लिए हो रहा वरदान साबित

सुल्तानपुर(आरएनएस) । राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ की निःशुल्क रसोई का तैयार भोजन मरीजों, तीमारदारों यात्रियों तथा जरूरतमंदों के लिए वरदान साबित हो रही है।

राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के साप्ताहिक कार्यक्रम के अंतर्गत हर बृहस्पतिवार को स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालयधजिला अस्पताल एवम रेलवे स्टेशन परिसर में जरूरतमंदों को मुफ्त खाना बाटने का सिलसिला लगातार चल रहा है। राष्ट्रीय सामाजिक सेवा संघ के मार्गदर्शक निजाम खान ने बताया कि इस बृहस्पतिवार को देर शाम अध्यक्ष मेराज अहमद खान के अगुवाई में मेडिकल कालेज के ब्लड बैंक के सामने डाक्टर दीपक सरोज ने भोजन की थाली देकर कार्यक्रम का शुभारंभ किया। उधर रेलवे स्टेशन पर जी आर पी के दरोगा अभिषेक मिश्र ने मुफ्त भोजन वितरण का शुभारंभ किया। भोजन के मेन्यू में अरहर की दाल सब्जी, रोटी और चावल शामिल था। शिक्षक राजेश यादव ने सगठन की रसोई को 50किलो गेहूं का आटा का सहयोग के रूप दिया। मेडिकल कालेज में 296 रेलवे स्टेशन पर 145 कुल 441 जरूरतमंदों ने भूख मिटाई। इस कार्य में सहयोग करने वाले में प्रदीप श्रीवास्तव, सत्य प्रकाश वर्मा,राजेश यादव,हाजी मुजतबा अंसारी, डा शादाब खान, जितेंद्र मौर्य, राशिद खान, राशिद वर्दी टेलर, सद्दाम खान, अमानत खान, सरदार गुरुप्रीत सिंह, अब्दुल वदूद मिलियन टेलर, हुजैफा, राजन, आदित्य सिंह, आदिल हसन, बैजनाथ प्रजापति, माता प्रसाद जायसवाल, सुलतान स्लाहुद्दीन, खुर्शीद अहमद, आसिफ, भोलू आदि का प्रमुख सहयोग रहा।

पर्यावरण संरक्षण और महिला स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता किया

प्रयागराज। इलाहाबाद विश्वविद्यालय आई.क्यू.ए.सी. प्रकोष्ठ, आउटरीच गतिविधि प्रकोष्ठ तथा मानवविज्ञान विभाग द्वारा स्नातक, परास्नातक के विद्यार्थियों, शोधार्थियों और शिक्षकों के 44 सदस्यीय संयुक्त दल के द्वारा प्रयागराज की बलकरनपुर ग्राम पंचायत के बलकरनपुर ग्राम में वृहत स्तर पर आउटरीच गतिविधियों और जनजागरूकता कार्यक्रम के द्वितीय चरण का आयोजन किया गया। इलाहाबाद विश्वविद्यालय द्वारा पूर्णतया वित्तपोषित इस आउटरीच कार्यक्रम में

छात्र–छात्राओं ने गाँव के प्राथमिक विद्यालय, बलकरनपुर में सर्वप्रथम विद्यालय के बच्चों की सहभागिता से श्सहभागी कार्रवाई अनुसंधानश के तहत उनको खुले में शौच के दुष्प्रभावों और उस से पनपने वाली बीमारियों के प्रति आगाह किया। मानवविज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष प्रो. राहुल पटेल ने विद्यार्थियों की सहभागिता से इस गतिविधि को अंजाम दिया जिसमें प्राथमिक विद्यालय के बच्चों ने एक तरफ खुले में शौच न करने और दूसरी तरफ अपने गाँव को सुंदर और बीमारी–मुक्त करने की समझ को अपने भीतर विकसित करने की कोशिश की। सीखकर, समझकर और परखकर स्वच्छता के प्रति जागरूकता की ललक भी उनके भीतर दिखी। मातृत्व एवं शिशु स्वास्थ्य, स्वच्छता, टीकाकरण, व्याधियों से बचाव, पर्यावरण संरक्षण, पौधरोपण एवं जल स्रोतों के संरक्षण के लिए पोस्टर, पैम्फलेट और विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न मुद्दों पर ग्रामीणों संग श्मुद्दा–आधारित सामूहिक चर्चाश के द्वारा उनको जागरूक करने का गंभीर प्रयास किया गया। नवजात बच्चों के टीकाकरण और जच्चा–बच्चा के स्वास्थ्य और पोषण विषयक नुक्कड़ नाटक के सशक्त प्रदर्शन से ग्रामीणों को इसके महत्व के प्रति जागरूक करने का प्रयास भी विद्यार्थियों ने किया।

नवरात्रि के चतुर्भुजी स्कंदमाता स्वरूप के दिन मां कल्याणी का श्रृंगार हुआ

प्रयागराज। महाशक्ति पीठ मां कल्याणी देवी के धाम में नवरात्रि महोत्सव मेला के अवसर पर मां कल्याणी ने नवरात्रि के पंचमी पर चतुर्भुज स्कंदमाता रूप धारण कर भक्तों को दिए दर्शन इस अवसर पर प्रातः कालीन माता कल्याणी का स्कंद माता के स्वरूप में मंगल आरती एवं अभिषेक किया गया इस अवसर पर दूर–दूर से ग्रामीण अंचल से आए मां का दर्शन पूजन अर्चन कर शतचंडी महायज्ञ का परिक्रमा करते हुए अपने बच्चों को मुंडन संस्कार कराया मंदिर के मुख्य पुजारी पंडित सुशील पाठक ने बताया कि जगत जननी स्कंदमाता मोक्ष के द्वार खोलने वाली माता परम सुखदायी हैं। माँ अपने भक्तों की समस्त इच्छाओं की पूर्ति करती हैं। और कहा कि शाम छह बजे रात्रि कालीन मां स्कंदमाता का श्रृंगार दर्शन के लिए मंदिर का कपाट खोला गया गया मां चतुर्भुजी स्वरूप में सिंहं पर सवार होकर अपने गोद में सदानंद जी को बैठाए रही मां का श्रृंगार रत्नजडित आभूषणों से एवं बेला कमल पुष्पो के द्वारा किया गया मां कल्याणी आज चंदन और चांदी के महल में विराजित थी इस अवसर पर भक्तों ने भजन कीर्तन एवं हवन किया शाम सात बजे मां का सांध्य एवं रात्रि बारह बजे शयन आरती की गई मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने बताया कि 7 अक्टूबर को नवरात्रि के छठवें दिन भक्तों को मां कात्यायनी के रूप के दर्शन देंगी।

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुये दशहरा/दीवाली/छठ पर्व के शुभ अवसर पर निम्नलिखित विशेष रेलगाड़ियों के संचालन का निर्णय लिया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैः-

गाड़ी संख्या 09657/09658 दौरइ-बढ़नी विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 09657 दौरइ - बढ़नी			गाड़ी संख्या - 09658 बढ़नी - दौरइ	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	15:00 (शनि)	दौरइ ▲	19:20 (सोम)	----
23:30	23:35	मथुरा जं.	10:50	10:55
06:00 (रवि)	06:02	कानपुर अनवरगंज	04:35	04:37
06:35	06:40	कानपुर सेंट्रल	04:05 (सोम)	04:15
13:25 (रवि)	----	▼ बढ़नी	----	19:15 (रवि)

गाड़ी संरचना - सामान्य श्रेणी- 02, स्लीपर श्रेणी- 02, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी- 02 एवं वातानुकूलित तृतीय श्रेणी इकोनॉमी कोच- 10

दौरइ से : गाड़ी संख्या 09657, प्रत्येक शनिवार, दिनांक 12.10.2024 से 16.11.2024 तक।

बढ़नी से : गाड़ी संख्या 09658, प्रत्येक रविवार, दिनांक 13.10.2024 से 17.11.2024 तक।

गाड़ी संख्या 04813/04814 भगत की कोठी-दानापुर विशेष रेलगाड़ी

गाड़ी संख्या - 04813 भगत की कोठी - दानापुर			गाड़ी संख्या - 04814 दानापुर - भगत की कोठी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
----	17:20 (बुध)	भगत की कोठी ▲	01:00 (शनि)	----
02:23 (गुरू)	02:25	अछनेरा जं.	14:30	14:32
03:00	03:05	आगरा फोर्ट	13:45	13:50
04:05	04:10	टूण्डला जं.	12:45	12:50
05:28	05:30	इटावा जं.	11:05	11:07
07:15	07:20	कानपुर सेंट्रल	09:00	09:05
09:02	09:04	फतेहपुर	07:28	07:30
10:30	10:35	प्रयागराज जं.	05:50	05:55
12:00	12:02	मिर्जापुर	03:18 (शुक्र)	03:20
17:15 (गुरू)	----	▼ दानापुर	----	18:45 (गुरू)

गाड़ी संरचना- सामान्य श्रेणी-14 एवं स्लीपर श्रेणी-04

भगत की कोठी से : गाड़ी संख्या 04813, प्रत्येक बुधवार, दिनांक 09.10.2024 से 13.11.2024 तक।

दानापुर से : गाड़ी संख्या 04814, प्रत्येक गुरूवार, दिनांक 10.10.2024 से 14.11.2024 तक।

नोटः- ट्रेनों से सम्बंधित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail Madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे

@CPRONCR North central railways www.ncr.indianrailways.gov.in 1755/24(A)

महाकुंभ में शाही स्नान का ध्वजवाहक बनेगा जूना अखाड़ा, सबसे आगे करेगा स्नान

प्रयागराज। गंगा,यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर 13 जनवरी 2025 से आरंभ होने जा रहे महाकुंभ में शाही स्नान की परंपरा का ध्वजवाहक इस बार जूना अखाड़ा होगा। रविवार को परेड मैदान में सीएम योगी आदित्यनाथ की बैठक से पहले अखाड़ों में सर्व सम्मति से यह तय किया। 12 वर्ष बाद लगने वाले महाकुंभ में इस बार निरंजनी को सबसे आगे चलने का मौका दिया जाना था, लेकिन विश्व के सबसे बड़े संन्यासी परंपरा वाले पंच दशनाम जूना अखाड़ा को सबसे आगे स्नान करने की अनुमति प्रदान की गई। सीएम के साथ संवाद से पहले शाही स्नान की परंपरा में बदलाव का निर्णय लिया गया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और निरंजनी अखाड़े के सचिव महंत रवींद्र पुरी ने शाही स्नान की अगुवाई जूना अखाड़े को सौंपने का एलान किया। परंपरा के अनुसार इस बार पड़ने वाले तीन शाही स्नानों में सबसे पहले देवता–निशान, अस्त्र–शस्त्र, सुसज्जित रथों, बग्घियों और अन्य तामझाम के साथ जूना अखाड़ा चलेगा। जूना अखाड़े के पीछे निरंजनी अखाड़ा

और उसके बाद आनंद अखाड़े के संन्यासी संगम पर शाही स्नान के लिए पहुंचेंगे। इससे पहले सबसे आगे महानिर्वाणी अखाड़े के संन्यासी शाही स्नान के लिए निकलते थे। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने बताया कि इस बार बहुमत के आधार पर विश्व के सबसे बड़े संन्यासी अखाड़े के रूप में जूना अखाड़े को महाकुंभ में शाही स्नान के ध्वज वाहक के रूप में चुना गया है। इसके बाद महानिर्वाणी अखाड़े के संत शाही स्नान के लिए निकलेंगे। उनके साथ अटल अखाड़े के संत चलेंगे। इसी तरह सबसे अंत में उदासीन परंपरा के संतों को शाही स्नान के लिए चलने का क्रम निर्दारित किया गया है। इनमें सबसे आगे कौन सी उदासीन अनी परंपरा के संत चलेंगे, इसका निर्धारण उन पर ही छोड़ दिया गया है। अखाड़ा परिषद के महामंत्री महंत हरि गिरि ने बताया कि इस बार सर्व सम्मति से जूना अखाड़े को शाही स्नान की परंपरा का ध्वज वाहक बनाया गया है। इसकी भव्यता के लिए अब से ही तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, ताकि विश्व समुदाय के लिए संगम स्नान की परंपरहा अनुकरणीय और अविस्मरणीय बनाई जा सके। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी(मनसा देवी ट्रस्ट) ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें सभी परंपरा के सतों को सनातन की रक्षा के लिए एकजुट करने और राष्ट्रव्यापी वातावरण बनाने के लिए कहा है। इसके लिए वह लगातार प्रयास कर रहे हैं। इस बार के महाकुंभ में इसके कई उदाहरण प्रस्तुत किए जाएंगे।इस बार दलित और ओबीसी संतों को भी प्रमुख पदों पर आसीन कराया जाएगा। ताकि संत समाज में आध्यात्मिक पदों पर भी समरसता का वातावरण बनाया जा सके। महाकुंभ की तैयारी बैठक में आनंद अखाड़े के स्वामी शंकरानंद सचिव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आला अफसरों की मौजूदगी में सजग रहने की सीख दी। स्वामी शंकरानंद ने सीएम को कहा कि वह इस महाकुंभ की तैयारी को लेकर अफसरों के भरोसे कतई न रहें। अफसर उन्हें ऐन वक्त पर गच्चा दे सकते हैं और सरकार की बनी–बनाई छवि पर असर पड़ सकता है। इसलिए सीएम को चाहिए कि वह खुद महाकुंभ की तैयारियों को अपने स्तर से देखें और परखते रहें,ताकि किसी स्तर पर चूक न होने पाए। महाकुंभ में गुलामी के प्रतीक शब्दों को बदलने पर सीएम सहमत महाकुंभ में शाही स्नान और पेशवाई जैसी परंपरा के साथ मुगलकालीन गुलामी के शब्दों को बदलने के लिए अखाड़ा परिषद के संतों ने सीएम के सामने सुझाव रखा। उनका कहना था कि हमारी सनातन संस्कृति में इस तरह के गुलामी के प्रतीक उर्दू के शब्दों के लिए जगह नहीं होनी चाहिए। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी ने इस पर जोर दिया। इस पर सीएम योगी आदित्यनाथ ने सहमति जताई। उन्होंने कहा कि इस महाकुंभ में गुलामी के प्रतीक शब्द हटाए जाएंगे। इस पर आने वाली बैठक में निर्णय लिए जाने के संकेत दिए गए।

प्रदेश के सभी जिलों में पीसीएस परीक्षा कराने की तैयारी, पेपरलीक के बाद आयोग सख्त

प्रयागराज। पुलिस भर्ती और समीक्षा अधिकारी (आरओ)ध्सहायक समीक्षा अधिकारी (एआरओ) प्रारंभिक परीक्षा–2023 में पेपर लीक की घटना के बाद शासन ने केंद्र निध ारण के नियम इतने सख्त कर दिए हैं कि केंद्रों की अनुपलब्धता के कारण उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग अब प्रदेश के हर जिले में परीक्षा के लिए केंद्र ढूंढ रहा है। निजी स्कूल–कॉलेजों को परीक्षा केंद्र बनाए जाने पर रोक लगा दी गई है। ऐसे में आयोग को पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 के लिए पर्याप्त संख्या में केंद्र नहीं मिल रहे हैं। आयोग के सामने एक ही दिन में परीक्षा का आयोजन करा पाना बड़ी चुनौती है। अगर आयोग प्रदेश के सभी 75 जिलों में केंद्रों की व्यवस्था कर लेता है तो भी एक दिन में परीक्षा करा पाना मुश्किल होगा। कांस्टेबल भर्ती के लिए एक दिन में तकरीबन 4. 80 लाख अभ्यर्थियों की परीक्षा कराई गई थी। जबकि, पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2024 के लिए 576154 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। पीसीएस प्रारंभिक परीक्षा–2023 जहां प्रदेश के 51 जिलों के 1241 केंद्रों में आयोजित की गई थी और परीक्षा के लिए 565459 अभ्यर्थी पंजीकृत थे। दोनों परीक्षाओं में अभ्यर्थियों की संख्या में मामूली अंतर है। आयोग के सूत्रों का कहना है कि अगर प्रदेश के सभी जिलों में सरकारी और एडेड स्कूल–कॉलेजों को भी केंद्र बनाया जाता है तो एक दिन में परीक्षा करा पाना मुश्किल होगा। 11 फरवरी 2024 को आरओध्एआरओ प्रारंभिक–2023 प्रदेश के 58 जिलों के 2387 केंद्रों में आयोजित की गई थी। पुनर्परीक्षा 22 दिसंबर 2024 को प्रस्तावित है और इस परीक्षा के लिए 1076004 अभ्यर्थी पंजीकृत हैं। आयोग के सूत्रों का कहना है कि आरओध् एआरओ परीक्षा के लिए भी प्रदेश के सभी जिलों में केंद्र बनाए जाने की योजना है। हालांकि, इसके बाद भी परीक्षा एक दिन में नहीं हो सकेगी। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग (यूपीपीएससी) की ओर से रविवार को लखनऊ में यूनानी चिकित्साधिकारी स्क्रीनिंग परीक्षा–2023 का आयोजन किया गया। परीक्षा के लिए कुल 2261 अभ्यर्थी पंजीकृत थे, जिनमें से 62.18 फीसदी परीक्षार्थियों ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। परीक्षा लखनऊ स्थित यूपीपीएससी के कैंप कार्यालय के चार केंद्र में सुबह 9:30 से 11:30 बजे तक आयोजित की गई।

नवरात्र के चलते 'सकलैन मियां' के अनुयायियों को 'उर्स' मनाने से मना नहीं कर सकते

प्रयागराज। हाईकोर्ट ने जिला प्रशासन बरेली के उस आदेश को रद्द कर दिया है, जिसमें उन्होंने 'सकलैन मियां' के अनुयायियों को आठ और नौ अक्तूबर को उर्स मनाने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया था। न्यायमूर्ति सौमित्र दयाल सिंह और न्यायमूर्ति विपिन चंद्र दीक्षित ने यह आदेश आस्तान–ए–आलिया सकलैनिया शराफतिया और अन्य की याचिका पर दिया। बरेली में हजरत शाह शराफत अली के पोते हजरत शाह मोहम्मद सकलैन मियां हुजूर की मृत्यु 20 अक्तूबर 2023 को हुई थी। उन्हें एक सूफी विद्वान माना जाता है। उनके बरेली जिले के आसपास के क्षेत्र में पर्याप्त अनुयायी हैं। सूफियों के बीच प्रचलित धार्मिक प्रथा के अनुसार उनका पहला उर्स आठ और नौ अक्तूबर 2024 को मनाया जाना है। हालांकि, सिटी मजिस्ट्रेट बरेली ने उर्स मनाने की अनुमति देने से इन्कार कर दिया। तर्क दिया गया था कि यदि उर्स मनाने की अनुमति दी जाती है तो बड़ी संख्या में लोग जुटेंगे और एक

नई प्रथा शुरू हो जाएगी। तीन अक्तूबर 2024 से नवरात्र उत्सव शुरू हो गए हैं। शहर के विभिन्न हिस्सों में कई दुर्गा पूजा पंडाल स्थापित किए गए हैं। विभिन्न स्थानों पर रामलीला का मंचन भी किया जा रहा है। यदि उर्स मनाने की अनुमति दी गई तो 'चादरों का जुलूस' तेज संगीत के साथ निकाला जाएगा। पिछले महीने आला हजरत दरगाह और शराफत मियां दरगाह के अनुयायियों के बीच जुलूस के लिए अपनाए जाने वाले मार्ग को लेकर टकराव हुआ था।

ऐसे में प्रशासन की ओर से ऐसी कोई भी अनुमति न देने के निर्देश जारी किए गए हैं, जिससे नई धार्मिक प्रथाओं की स्थापना हो सकती है। न्यायालय ने कहा कि सिटी मजिस्ट्रेट, बरेली ने आवेदन को एक नई धार्मिक प्रथा स्थापित करने की मांग के रूप में पढ़ने में गलती की है। इसके अलावा न्यायालय ने यह भी कहा कि नवरात्र के दौरान उर्स का आयोजन हो रहा है, सिर्फ इस आधार पर सूफियों को धार्मिक अभ्यास का पालन करने के अधिकार से वंचित नहीं किया जा सकता। कोर्ट ने कहा कि याची 'चादरों का जुलूस' सार्वजनिक सड़कों, रास्तों आदि पर तेज संगीत बजाते हुए नहीं निकाला जाएगा। इस आशय से वे सिटी मजिस्ट्रेट के समक्ष अपना लिखित वचन दाखिल करने के लिए तैयार हैं। कोर्ट ने कहा कि प्रथम दृष्टया उचित विचार किए बिना आक्षेपित आदेश जल्दबाजी में पारित किया गया था, इसलिए इसे रद्द कर दिया गया है। कोर्ट ने याचिका निस्तारित करते हुए सिटी मजिस्ट्रेट को एक नया तर्कसंगत आदेश पारित करने का आदेश दिया।

सुजावन देव मंदिर।

प्रयागराज। कार्तिक मास पर भाई दूज यमद्वितीय मेले पर्व हेतु मंदिर परिसर की सफाई की गई। मंदिर का डेकोरेशन एवं लाइट बिजली का

कार्य जल्दी प्रारंभ कर दिया जाएगा सुजावन देव मंदिर पर यमुना नदी के आई बाढ़ के कारण मंदिर के नीचे की सीढ़ियां टूट कर बह गई थी जिसकी वजह से श्रद्धालुओं को जाने में काफी कठिनाइयों का सामना करना पड़ता था मंदिर के मुख्य पुजारी ज्ञानेंद्र गोस्वामी के द्वारा इसी कारण बस नव से मिट्टी बालू भराई का कार्य कराया जा रहा है क्योंकि दीपावली के दूसरे दिन भाई दूज वाले पर्व पर यहां पर भव्य मेला लगना है।

कांग्रेस की सदस्यता ली।

प्रयागराज। नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी को नेता मानते हुए। इलाहाबाद विश्वविद्यालय पूर्व अध्यक्ष तथा इलाहाबाद हाईकोर्ट अधिवक्ता कमल कृष्ण राय ने कांग्रेस की सदस्यता ली। प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने लखनऊ स्थित पार्टी कार्यालय में उन्हें सदस्यता दिलाई। महानगर अध यक्ष प्रदीप मिश्र अंशुमन ने घंटाघर स्थित पार्टी कार्यालय में उनका स्वागत किया। पूर्व विधायक अनुग्रह नारायण सिंह, बाबा अभय अवस्थी, दिवाकर भारतीय, विवेक पांडेय, इसरत अली चाँद,मोहम्मद इरफान, मोहम्मद साहब,मोहम्मद हसीन, साहिन फातिमा, शकील अहमद, तबरेज,सतीश केसरवानी,कमल शर्मा,श्वेता श्रीवास्तव, विक्रम पटेल, दिलीप पटेल रहे।

जीतराज हेला दूरसंचार सलाहकार बनाए गए।

प्रयागराज। समाजवादी पार्टी अनुसूचित जाति प्रकोष्ठ के राष्ट्रीय सचिव जीतराज हेला को भारत संचार निगम का सलाहकार नियुक्त किया गया है। उक्त मनोनयन सांसद उज्जवल रमण सिंह की संस्तुति पर किया गया है। मलाकराज निवासी जीतराज हेला लम्बे अरसे से पार्टी में सक्रिय हैं एवं सामाजिक कार्यों में भी इनकी गहरी रूचि रहती है। इनके मनोनयन पर सांसद उज्जवल रमण सिंह, विनय कुशवाहा, महानगर अध्यक्ष सैयद इफ्तेखार हुसैन, पूर्व विधायक हाजी परवेज अहमद, पप्पूलाल निषाद , दान बहादुर मधुर, रविन्द्र यादव एडवोकेट, मो अजहर, आर एन यादव,संतलाल वर्मा, सचिन श्रीवास्तव, रंजीत कुमार, विजय खन्ना, बृजेश, मनोज कुमार, रतन हेला, दीपक कुमार, दशरथ लाल, नाटे चौधरी ने बधाई दी है।

सीएम की बैठक में अखाड़ा परिषद के दोनों गुट भिड़े, हाथापाई की आई नौबत

प्रयागराज। महाकुंभ की तैयारी को लेकर रविवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के साथ हुई बैठक में अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के दोनों धड़े आपस में भिड़ गए। सीएम के सामने ही परिषद के पूर्व अध्यक्षों महंत नरेंद्र गिरि और महंत ज्ञानदास पर भ्रष्टाचार और लूट–खसोट के आरोप लगाए जाने लगे। इससे माहौल इस कदर गरमाया कि नोकझोंक के बाद एक–दूसरे को देख लेने की धमकी दी जाने लगी। मारपीट की नौबत आने पर वहां मौजूद अन्य बड़े संतों ने बीच–बचाव कर किसी तरह माहौल शांत कराया। परेड मैदान में सीएम योगी के साथ संवाद शुरू होने के बाद अखाड़ा परिषद के एक धड़े के महामंत्री और पंच निर्मोही अखाड़े के सचिव महंत राजेंद्र दास के तल्ख अंदाज ने आग में घी का काम किया। महंत राजेंद्र दास ने सीएम के सामने भूमि सुविधाओं की बात करने से पहले अखाड़ों में भ्रष्टाचार का मुद्दा उठा दिया। उनका कहना था कि इससे पहले अखाड़ा परिषद के जो भी अध्यक्ष रहे वह लूट–खसोट और भ्रष्टाचार में ही लिप्त रहे। उन्होंने सनातन संत परंपरा को आगे बढ़ाने के बजाय सिर्फ निजी स्वार्थ की सिद्धि की। उन्होंने अखाड़ा परिषद के अध यक्ष रहे महंत नरेंद्र गिरि और महंत ज्ञानदास के कार्यकाल में अखाड़ों से हुई वसूली और धन की बंदरबांट का मुद्दा उठाया तो वहां मौजूद अखाड़ा परिषद के मौजूदा अध्यक्ष और निरंजनी अखाड़े के सचिव महंत रवींद्र पुरी (अध्यक्ष मनसा देवी मंदिर ट्रस्ट) तमतमाकर खड़े हो गए।

महाकुंभ में शाही स्नान का ध्वजवाहक बनेगा जूना अखाड़ा, सबसे आगे करेगा स्नान

प्रयागराज। गंगा,यमुना और अदृश्य सरस्वती के संगम पर 13 जनवरी 2025 से आरंभ होने जा रहे महाकुंभ में शाही स्नान की परंपरा का ध्वजवाहक इस बार जूना अखाड़ा होगा। रविवार को परेड मैदान में सीएम योगी आदित्यनाथ की बैठक से पहले अखाड़ों में सर्व सम्मति से यह तय किया। 12 वर्ष बाद लगने वाले महाकुंभ में इस बार निरंजनी को सबसे आगे चलने का मौका दिया जाना था, लेकिन विश्व के सबसे बड़े संन्यासी परंपरा वाले पंच दशनाम जूना अखाड़ा को सबसे आगे स्नान करने की अनुमति प्रदान की गई। सीएम के साथ संवाद से पहले शाही स्नान की परंपरा में बदलाव का निर्णय लिया गया। अखिल भारतीय अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष और निरंजनी अखाड़े के सचिव महंत रवींद्र पुरी ने शाही स्नान की अगुवाई जूना अखाड़े को सौंपने का एलान किया। परंपरा के अनुसार इस बार पड़ने वाले तीन शाही स्नानों में सबसे पहले देवता–निशान, अस्त्र–शस्त्र, सुसज्जित रथों, बग्घियों और अन्य तामझाम के साथ जूना अखाड़ा चलेगा। जूना अखाड़े के पीछे निरंजनी अखाड़ा और उसके बाद आनंद अखाड़े के संन्यासी संगम पर शाही स्नान के लिए पहुंचेंगे। इससे पहले सबसे आगे महानिर्वाणी अखाड़े के संन्यासी शाही स्नान के लिए निकलते थे। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष ने बताया कि इस बार बहुमत के आधार पर विश्व के सबसे बड़े संन्यासी अखाड़े के रूप में जूना अखाड़े को महाकुंभ में शाही स्नान के ध्वज वाहक के रूप में चुना गया है। इसके बाद महानिर्वाणी अखाड़े के संत शाही स्नान के लिए निकलेंगे। उनके साथ अटल अखाड़े के संत चलेंगे। इसी तरह सबसे अंत में उदासीन परंपरा के संतों को शाही स्नान के लिए चलने का क्रम निर्दारित किया गया है। इनमें सबसे आगे कौन सी उदासीन अनी परंपरा के संत चलेंगे, इसका निर्धारण उन पर ही छोड़ दिया गया है। अखाड़ा परिषषद के महामंत्री महंत हरि गिरि ने बताया कि इस बार सर्व सम्मति से जूना अखाड़े को शाही स्नान की परंपरा का ध्वज वाहक बनाया गया है। इसकी भव्यता के लिए अब से ही तैयारियां शुरू कर दी गई हैं, ताकि विश्व समुदाय के लिए संगम स्नान की परंपरहा अनुकरणीय और अविस्मरणीय बनाई जा सके। अखाड़ा परिषद के अध्यक्ष महंत रवींद्र पुरी(मनसा देवी ट्रस्ट) ने कहा कि गृहमंत्री अमित शाह ने उन्हें सभी परंपरा के सतों को सनातन की रक्षा के लिए एकजुट करने और राष्ट्रव्यापी वातावरण बनाने के लिए कहा है। इसके लिए वह लगातार प्रयास कर रहे हैं। इस बार के महाकुंभ में इसके कई उदाहरण प्रस्तुत किए जाएंगे।इस बार दलित और ओबीसी संतों को भी प्रमुख पदों पर आसीन कराया जाएगा। ताकि संत समाज में आध्यात्मिक पदों पर भी समरसता का वातावरण बनाया जा सके। महाकुंभ की तैयारी बैठक में आनंद अखाड़े के स्वामी शंकरानंद सचिव ने मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को आला अफसरों की मौजूदगी में सजग रहने की सीख दी।

सम्पादक
सिद्धनाथ द्विवेदी
प्रबन्धक निदेशक
दीपक जयसवाल
सम्पादकीय कार्यालय
11ई/2, ताशकंद मार्ग, सिविल लाइन्स, इलाहाबाद

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद इलाहाबाद न्यायालय के आधीन होगा।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक सिद्धनाथ द्विवेदी द्वारा काम्पीटेंट बिजनेस सर्विसेज विष्णु पदम कुटीर 115डी/2ई लूकरगंज, इलाहाबाद से मुद्रित एवं 399 कृष्णानगर कीडगंज से प्रकाशित।
सम्पादक–सिद्धनाथ द्विवेदी, आरएनआई नं. UPHIN/2007/22706 रजि.नं. AD-32/2008-09 ईमेलः amritkt.alld@gmail.com फोन नं. : 9453273951, 8799627062